सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 203 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 07 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

स्टेट कैपिटल रीजन : राजधानी क्षेत्र बनेगा आर्थिक शक्ति केंद्र, महानगरों की तर्ज पर होगा तेज विकास

आधुनिक अधोसंरचना और कनेक्टिविटी के साथ छत्तीसगढ़ के समग्र विकास को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुनियोजित शहरीकरण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए स्टेट कैपिटल रीजन के गठन को मंजूरी मिल चुकी है। रायपुर सहित दुर्ग-भिलाई और नवा रायपुर अटल नगर को मिलाकर इस क्षेत्र को विकसित किया जाएगा। विधानसभा से विधेयक पारित होने के साथ ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना को औपचारिक गति मिल गई है। राज्य सरकार का मानना है कि यह पहल राजधानी क्षेत्र के नियोजित विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख आर्थिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्टेट कैपिटल रीजन का विकास देश के प्रमुख शहरी मॉडलों राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण और हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण की तर्ज पर किया जाएगा। इस मॉडल के अंतर्गत विभिन्न शहरों को एकीकृत करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर योजनाबद्ध विकास किया जाएगा, जिससे अवसंरचना, आवास, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों का संतुलित विस्तार सुनिश्चित हो सके और संसाधनों का अधिकतम उपयोग संभव हो।

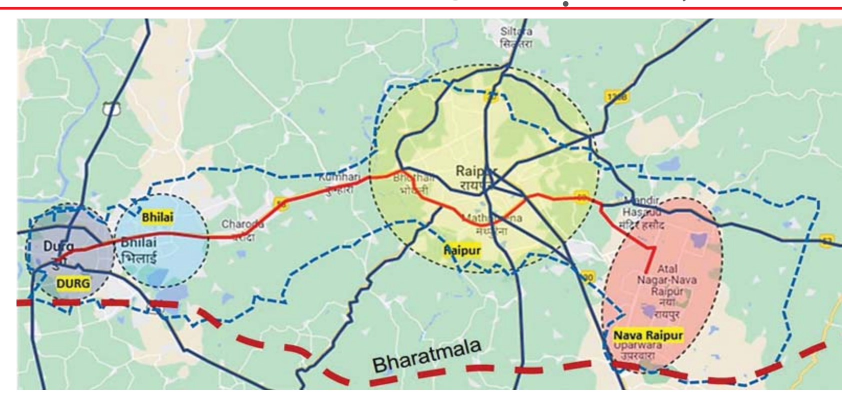

मुख्यमंत्री साय की पहल से विकास को मिली नई गति

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में तैयार इस योजना का उद्देश्य तेजी से बढ़ते शहरीकरण को व्यवस्थित करना और नागरिकों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सरकार का फोकस ऐसे शहरी तंत्र के निर्माण पर है जहां बेहतर आवास, उच्च स्तरीय शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों, साथ ही उद्योग और व्यापार को प्रोत्साहन मिले तथा पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखते हुए विकास को आगे बढ़ाया जा सके।

2031 तक 50 लाख आबादी के लिए व्यापक तैयारी

वर्ष 2031 तक स्टेट कैपिटल रीजन की आबादी 50 लाख से अधिक हो जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा दीर्घकालीन योजनाएं तैयार की जा रही हैं। इन योजनाओं में आधुनिक परिवहन प्रणाली, सड़कों, कनेक्टिविटी, जल, बिजली और स्वच्छता सेवाएं तथा स्मार्ट शहरी सुविधाओं का विस्तार शामिल है। रायपुर से दुर्ग तक प्रस्तावित मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के सर्वे के लिए बजट में प्रावधान किया गया, जिससे क्षेत्र में तेज और सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जा सके।

राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण करेगा समन्वित संचालन

स्टेट कैपिटल रीजन के लिए राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है, जो इस पूरे क्षेत्र के लिए केंद्रीय नियामक और समन्वयकारी संस्था के रूप में कार्य करेगा। इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री होंगे, जबकि विभिन्न विभागों के मंत्री, मुख्य सचिव और वरिष्ठ अधिकारी इसके सदस्य होंगे। यह प्राधिकरण विभिन्न विभागों और एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाएगा।

कानूनी आधार से विकास और वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को विधिक आधार प्रदान करने के लिए The Chhattisgarh Capital Region Development Authority Act, 2025 लागू किया गया है। यह अधिनियम प्राधिकरण की संरचना, शक्तियों, कार्यप्रणाली और वित्तीय अधिकारों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, जिससे विकास कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता सुनिश्चित होती है। सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए राजधानी क्षेत्र विकास निधि और पुनरावृत्ति निधि का प्रावधान किया है।

वार्षिक बजट तैयार करने का अधिकार

इसके साथ ही प्राधिकरण को विशेष उपकर लगाने, परियोजनाओं के लिए वित्तीय संसाधन जुटाने और अपना वार्षिक बजट तैयार करने का अधिकार भी दिया गया है। इससे विकास कार्यों के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

निवेश और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

स्टेट कैपिटल रीजन के विकास से छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इससे नए उद्योग स्थापित होंगे, सेवा क्षेत्र का विस्तार होगा और युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह भविष्य में राज्य का प्रमुख आर्थिक हब बनकर उभर सकता है।

खास-खबर

12 मई को होगा नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह, पीएम मोदी हो सकते हैं शामिल

दिसपुर। असम नई सरकार शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम गुवाहाटी के खानापारा में वेटनरी फील्ड में होगा। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। राज्य के मुख्य सचिव रवि कोटा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा और तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भी हुई है, जिसमें पुसिस महानिदेशक (डीजीपी) समेत अधिकारियों के साथ सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, प्रोटोकॉल और समन्वय पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। लेकिन उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम जारी रखने को कहा गया है।

बंगाल में चुनाव बाद हिंसा जारी, पानीहाटी में बम फेंका, पांच भाजपा कार्यकर्ता घायल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के पनिहाटी इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं पर देशी बम फेंके जाने से कम से कम पांच कार्यकर्ता घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। यह हमला शुभेंदु अधिकारी के लंबे समय से निजी सहायक रहे चंद्रनाथ रथ की हत्या के कुछ घंटों बाद हुआ। पुलिस ने बताया कि यह घटना आधी रात के बाद पनिहाटी नगरपालिका के वार्ड नंबर 2 में दत्ता रोड पर हुई। पता चला है कि कुछ भाजपा कार्यकर्ता आम लोगों से बात कर रहे थे, तभी कुछ उपद्रवी बाइक पर सवार होकर मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक पर सवार चार लोगों ने वहां मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं पर बम फेंके। तीन बम लगातार फेंके गए, जिसके बाद उपद्रवी भाग गए। इस बम विस्फोट में पांच भाजपा कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गए।

अफीम की खेती का खुलासा करने वाला सरपंच अरुण गौतम बर्खास्त

भिलाई। छत्तीसगढ़ में सबसे पहले अफीम की खेती का खुलासा दुर्ग जिले में हुआ था। इसकी शिकायत समोदा गांव के सरपंच अरुण गौतम ने की थी। इस मामले में पुलिस ने बीजेपी नेता विनायक ताम्रकार को अफीम की खेती करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, अब अफीम की खेती की शिकायत करने वाले समोदा गांव के सरपंच अरुण गौतम को बर्खास्त कर दिया गया है। एसडीएम कोर्ट ने उन्हें चुनावी हलफनामे में हत्या के प्रयास का मामला छिपाने का दोषी पाया। इसके बाद कोर्ट ने उन्हें सरपंच पद से हटाने का आदेश दिया है। अब समोदा गांव में सरपंच पद के लिए दोबारा उपचुनाव कराया जाएगा। कोर्ट ने दुर्ग जनपद पंचायत के सीईओ को राज्य निर्वाचन आयोग को रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए हैं, ताकि उपचुनाव की प्रक्रिया शुरू की जा सके।

थमेगी आंधी-बारिश, फिर तपाएगी गर्मी, 3 दिनों में 4 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रायपुर। प्रदेश में आंधी-तूफान और गरज-चमक की गतिविधियों में कमी आने लगेगी, हालांकि कुछ इलाकों में हल्की बारिश और 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना बरकरार है। पिछले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अंधड़ चली है। अगले 24 घंटों तक तापमान स्थिर रहेगा, लेकिन उसके बाद अगले तीन दिनों में पारा 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक चढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, राजनांदगांव 41 डिग्री के साथ सबसे गर्म और अंबिकापुर 18.2 डिग्री के साथ सबसे ठंडा रहा, अब गर्मी के दोबारा रफ्तार पकड़ने के आसार हैं।

बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा : सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या, कार रोककर की गई फायरिंग

कोलकाता ए.। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ से पहले सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ (42 साल) की बुधवार रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई। बंगाल के नॉर्थ 24 परगना स्थित मध्यमग्राम में चंद्रनाथ रथ की स्कार्पियो को रोककर अज्ञात हमलवरों ने फायरिंग की और फरार हो गए। घटना रात लगभग 10.30 बजे की बताई जा रही है। चुनाव नतीजों के बाद हुए हत्याकांड को टारगेट किलिंग कहा जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना तब हुई जब चंद्रनाथ रथ अपनी स्किर्पियो से लौट रहे थे। वह ड्राइविंग सीट के बगल में बैठे थे। उनके साथ ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति भी था। कोलकाता से करीब 20 किलोमीटर दूर डोलतला से मध्यमग्राम के बीच एक कार पीछे से आई

और स्कॉर्पियो के सामने जाकर रास्ता रोक दिया। फिर एक बाइक पर हमलावर आया और स्कॉर्पियो की बाईं तरफ से 6 से 10 राउंड फायरिंग की। चंद्रनाथ को 4 गोलियां लगीं। इनमें दो गोलियां सीने से आर-पार हो गईं। एक गोली पेट में लगी। ड्राइवर बुद्धदेब बेरा को भी गोली लगी। घटना के बाद हमलावर कार छोड़कर बाइक से फरार हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां चंद्रनाथ को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

चश्मदीदों ने पुलिस को बताया कि हमले में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल पर कोई रजिस्ट्रेशन प्लेट नहीं थी। घटनास्थल से बरामद गोलियों के खोखे इस बात का संकेत मिले हैं कि हमले में किसी छोटे पिस्टल का इस्तेमाल किया गया होगा। हालांकि फोरेंसिक जांच से पता चलेगा कि हमले में किस तरह के हथियार का इस्तेमाल किया गया था। कार की खिड़की पर गोलियों के निशान दिखाई दिए, जो हमले की भयावहता को दर्शाते हैं। पश्चिम बंगाल के डीजीपी सिद्धार्थ नाथ गुप्ता ने कहा है कि इस मामले से जुड़ी गाड़ी को जब्त कर लिया है, उसमें से चले हुए कारतूस और जिंदा गोलियां बरामद की हैं। संदिग्धों की आवाजाही का पता लगाने के लिए पुलिस की टीमें आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर पहाड़ी कोरवा बसाहटों में होगी 113 हैंडपंप व बोरवेल की खुदाई

कलेक्टर ने एक माह के भीतर कार्य पूर्ण करने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। सरगुजा के सुदूर एवं पहाड़ी कोरवा बसाहटों में पेयजल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अब इन क्षेत्रों में 113 हैंडपंप एवं बोरवेल की खुदाई की जाएगी, जिससे ग्रामीणों को पारंपरिक स्त्रोतों से पानी लाने की मजबूरी से राहत मिलेगी। कलेक्टर अजीत वसंत ने मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित विभागों को एक माह कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

बता दें विगत दिनों मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सरगुजा जिले में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर को तत्काल प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री ने कहा था कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं होना पड़े। बुनियादी जरूरतों का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है।

स्थलीय सर्वे पूरा, जल्द शुरू होगा खनन

कलेक्टर ने बताया कि स्थलीय सर्वे पहले ही कर लिया गया है जिले के लुण्ड्रा में 34, बतौली में 06, लखनपुर में 22, अम्बिकापुर में 11, सीतापुर में 16, मैनपाट में 20 तथा उदयपुर में 04 इस तरह इन विकासखण्डों में डीएमएफ मद से 113 हैंडपंप एवं बोरवेल खनन की जाएगी। 24 अप्रैल को आयोजित जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक में पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, सहित अन्य सदस्यों की सहमति से यह कार्य की स्वीकृति दी गई है।

नक्सली हिड़मा-देवा के गांव में पूरी हुई जनगणना, 234 मकान और 950 से ज्यादा आबादी

सुकमा। कभी नक्सली आतंक का गढ़ रहे सुकमा के पुवर्ती गांव में जनगणना का पूरा हो गया। नक्सली माड़वी हिड़मा और देवा बारसे के गांव पूवर्ती में पहली बार जनगणना का काम रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ है। सुकमा जिले में सबसे पहले जनगणना पूरी करने वाला गांव भी पूवर्ती बना है। कोंटा विकासखंड अंतर्गत पूवर्ती गांव में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य महज तीन दिनों में पूरा कर लिया गया। करीब 950 से अधिक आबादी और 234 मकानों वाले इस गांव में दो आंगनबाड़ी केंद्र और एक स्कूल संचालित है। कभी सुरक्षा बलों और नक्सलियों की गतिविधियों के कारण सुर्खियों में रहने वाला यह गांव अब प्रशासनिक पहुंच और विकास कार्यों की नई पहचान बन रहा है।

रायपुर में घर से मिला बम बनाने का सामान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के रावाभाठा इलाके में एक मकान से देसी बम बनाने में इस्तेमाल होने वाला संदिग्ध रॉ मटेरियल, तार और अन्य सामान मिला है। सूचना मिलते ही रायपुर नॉर्थ थाना पुलिस, बम स्क्वॉड और फॉरेंसिक की टीम वार्ड नंबर-13 पहुंची। मौके पर डीसीपी नॉर्थ जोन मयंक गुर्जर भी पहुंचे है। संदिग्ध बैग से पुलिस ने बैटरी, वायर, एयरगन, कैमिकल 2 बोतल और डेटोनेटर नुमा सामान जब्त किया है। डीसीपी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संदिग्ध सामान

मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पूरे मामलें का खुलासा जल्द किया जाएगा।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार रविशंकर शुक्ल वार्ड के रावाभाठा इलाके में मितानिन पुष्पा साहू का मकान है। पुष्पा साहू और उसके परिवार का बीरगांव निवासी विनय देवांगन से परिचय है। बुधवार की शाम को विनय देवांगन मितानिन के घर एक बैग लेकर पहुंचा था। बैग उसके घर में रखकर बाद में ले जाने की बात कही और वहां से चला गया। मितानिन को शक हुआ, तो उसने वार्ड पार्षद अश्वनी यादव को सूचना दी। अश्वनी यादव रात को मितानिन के घर पहुंचा और सुबह आने की बात बोलकर वहां से रवाना हो गया। बुधवार की सुबह आठ बजे वार्ड पार्षद स्थानीय रहवासियों के साथ पहुंचा और बैग खोलकर जांच की तो उसमें एयर गन और देशी बम बनाने का सामान मिला। पार्षद ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद नॉर्थ जोन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरु की है।

हम आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने मजबूती से कायम : पीएम मोदी

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प को सलाम किया। उन्होंने एक्स लिखा कि एक साल पहले भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अद्वितीय बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम में निर्दोष भारतीयों पर हमला करने वालों को करारा जवाब दिया था।

पीएम ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आतंकवाद के खिलाफ कठोर नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के अटूट संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इस अभियान ने भारतीय सेनाओं की पेशेवर क्षमता, तैयारी और आपसी समन्वय को दुनिया के सामने मजबूती से पेश किया। साथ ही यह भी दिखाया कि रक्षा क्षेत्र में भारत के प्रयासों ने देश की सुरक्षा को और मजबूत किया है। मोदी ने कहा कि एक साल बाद भी भारत आतंकवाद और उसे समर्थन देने वाले पूरे तंत्र को खत्म करने के अपने संकल्प पर पूरी मजबूती से कायम है।

बिहार सरकार में 32 विधायकों ने ली मंत्रीपद की शपथ, पूर्व सीएम नीतीश के बेटे निशांत भी शामिल

- बिहार में कैबिनेट का विस्तार, सबसे ज्यादा भाजपा के मंत्री

पटना ए.। बिहार में आज सम्राट चौधरी कैबिनेट का विस्तार हो गया। राजधानी पटना के गांधी मैदान में मंत्रिमंडल विस्तार समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी समारोह में शामिल हुए। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के 22 दिनों के बाद उनकी कैबिनेट का विस्तार हुआ है। कैबिनेट विस्तार में भाजपा के 15, जेडीयू के 13, लोजपा रामविलास के दो, हम और आरएलएम के एक-एक नेता ने मंत्रीपद की शपथ ली।

जेडीयू से तीन नए चेहरों को मिला मौका

जनता दल यूनाइटेड यानी जेडीयू से तीन नए चेहरों को मंत्री मंडल में शामिल किया गया है। जिनमें पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, बुलो मंडल और श्वेता गुप्ता का नाम शामिल है। वहीं भाजपा से जो पांच नए चेहरे मंत्रिमंडल में शामिल किए गए हैं, उनमें मिथिलेश तिवारी, रामचंद्र पासवान, अरुण शंकर, नंदर किशोर राम और इंजीनियर शैलेंद्र का नाम शामिल है। बिहार सरकार की कैबिनेट में अब पांच महिला मंत्री हैं, जिनमें जदयू की तीन नेता शामिल हैं।

संपादकीय

चेतावनी के धमाके

आतंक की घटनाओं पर राजनीति अस्वीकार्य

गाहे–बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख–चैन छीनने के षड्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड्यंत्र हो, मगर तौर–तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप–प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ–हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा।

> “ निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड्यंत्र हो, मगर तौर–तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं।

यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा। निस्संदेह, पंजाब का अतीत इस मामूली अशांति के प्रति भी विशेष रूप से संवेदनशील होने की जरूरत बताता है। दशकों तक पंजाब ने सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों हेतु देशव्यापी ख्याति अर्जित की है। लेकिन हाल की घटनाओं ने हमारी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया ही है। यह गंभीर मसला है कि इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में दस दिनों के भीतर तीन सुनियोजित व उच्च तकनीक से लैस विस्फोट हुए हैं। ये धमाके सभी पक्षों की मेहनत से अर्जित साख को धूमिल करने के जोखिम को बढ़ाते हैं। सवाल मात्र यही नहीं है कि इन धमाकों के लिये कौन जिम्मेदार है। प्रश्न यह भी है कि क्या इन धमाकों के बाबत खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया है? या फिर मिली हुई खुफिया सूचनाओं के आधार पर समन्वित प्रतिक्रिया देने में कहीं चूक हुई है? वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें। केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी का बेहतर ढंग से आदान–प्रदान किया जाए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा घेरे के दायरे का तत्काल प्रभाव से सुरक्षा ऑडिट किया जाए। इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है। ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं। जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए।

एक साल बादः ‘ऑपरेशन सिंदूर’ पर विचार

(डॉ.) अर्जुन सुब्रमण्यम

‘ऑपरेशन सिंदूर’ के बाद भारत एक निर्णायक एवं ज़िम्मेदार शक्ति के रूप में उभरा

यूक्रेन में जारी युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और मध्य–पूर्व के ‘न युद्ध, न शांति’ के दलदल में फंसे होने के बावजूद, हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की सबसे खास बातें थीं— सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल, ताकि प्रबंधन करने योग्य संघर्ष–विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें, जिनकी ‘बाहर निकलने की रणनीति’ स्पष्ट हो और जो मोदी सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इस संघर्ष की शुरुआत का उद्देश्य था – पाकिस्तान के भारत–विरोधी आतंकवादी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तान की सेना भारत के शुरुआती आतंकवाद–रोधी हमले का सैन्य जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। ये ऐसे बड़े लक्ष्य नहीं थे, जिनके लिए बहुत बड़े पैमाने पर और हर तरफ सैन्य ताकत के इस्तेमाल की ज़रूरत पड़ती। यह एक ज़िम्मेदार ताकत द्वारा, राज्य–प्रायोजित आतंकवाद के बार–बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सज़ा देने के लिए चलाया गया एक सटीक, सक्रिय और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकवाद–रोधी अभियानों में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था, लेकिन इस बार जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा के मुख्यालयों पर जो क्रमशः बहावलपुर और मुरीदके में स्थित हैं हमला करने की उसकी तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की एक नई प्रवृत्ति और संघर्ष को बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर सोच में पूरी स्पष्टता थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है, भले ही पाकिस्तान की सैन्य परिसंपत्तियों को और अधिक नुकसान पहुँचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद था।

समझदारी और संयम, ज़िम्मेदार राज–काज और सैन्य अभियानों के दो ऐसे साथ–साथ चलने वाले पहलू हैं, जिन्हें भारत ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान अच्छी तरह प्रदर्शित किया; खासकर इस मामले में कि उसने अपने हमलों के दौरान कोई भी अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता होने के बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अब पीछे मुड़कर देखने पर, एक लंबे और बड़े संघर्ष से मिलने वाले फायदे, उसके संभावित आर्थिक और मानवीय नुकसानों के मुकाबले बहुत ही मामूली लगते हैं। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष को समाप्त कर देने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई, उसने मध्य–पूर्व में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया है। दूसरी ओर, मध्य–पूर्व के संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डॉलर से भी ज़्यादा खर्च हो चुके हैं और इस संघर्ष का कोई अंत भी नज़र नहीं आ रहा है।

भारत के मौजूदा उच्च रक्षा संगठन ने संघर्ष के दौरान अच्छी तरह काम किया। ऑपरेशन के नीति–निर्माण और तैयारी के चरण में ‘केंद्रीकृत और निर्देशात्मक नियंत्रण’ का एक स्पष्ट मॉडल देखने को मिला; इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षा मंत्री थे, जबकि दूसरे स्तर पर सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुख इसे समर्थन दे रहे थे। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे, जिसके बाद उन्हें एक व्यावहारिक ‘कार्ययोजना’ तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी।

भले ही हज़ारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य, सुन त्ज़ू, क्लॉज़विट्ज़ और लिडेल हार्ट जैसे प्राचीन और आधुनिक रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। कुल मिलाकर, ‘ऑपरेशन सिंदूर’ की भारत की सफलता ने तनाव बढ़ाने और प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया, भारत ऐसा इसलिए कर पाया क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फैसले लेने के तरीकों का पालन किया। इनमें से, लक्ष्य का चयन और उसे बनाए रखना, शक्ति का केंद्रीकरण, आक्रामक कार्रवाई, अचानक हमला, कमान की एकता, सुरक्षा, सरलता, मनोबल और अनकूलनशीलता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर और अधिक विचार–विमर्श की आवश्यकता है।

परिचालन स्तर पर, भारत की उभरती हुई बहु–क्षेत्रीय सैन्य रणनीति के ‘तलवार’ के रूप में आईएएफ का इस्तेमाल करने का फैसला एक साहसी कदम था, जो आज के दौर के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से नज़र रखने और विश्लेषण करने की ज़रूरत है। पाकिस्तान की चीन से मिली वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद, भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया। इस हमले में पाकिस्तान और पीओजेके में मौजूद 9 अहम आतंकवादी ठिकाने तबाह हो गए, और लश्कर–ए–तैयबा, जैश–ए–मोहम्मद और हिज़्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख केंद्र नष्ट हो गए। 10 मई को, कुछ ही घंटों के भीतर, भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया, जिनमें नूर खान एयरबेस, रफीक़ी एयरबेस, मुरीद एयरबेस, सुक्कुर एयरबेस, सियालकोट एयरबेस, पसरूर एयरबेस, चुनियां एयरबेस, सरगोधा एयरबेस, स्कार्दू एयरबेस, भोलारी एयरबेस और जैकोबाबाद एयरबेस शामिल थे। इस कार्रवाई से पाकिस्तान की हवाई और युद्ध संबंधी क्षमताओं को गंभीर नुकसान पहुँचा। आईएएफ की हवाई हमलों की तीव्रता से यह ज़ाहिर हो गया है कि इन हवाई अड्डों, विमानों और वहाँ तैनात हथियार प्रणालियों को पहुँचाया गया नुकसान, 1971 के युद्ध में पश्चिमी मोर्चे पर आईएएफद्वारा पीएएफके हवाई अड्डों को पहुँचाए गए कुल नुकसान से कहीं ज़्यादा है। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ ने भारत की एकीकृत हवाई रक्षा प्रणाली की परिपक्वता को भी साबित कर दिया, जो दुश्मन की मिसाइल और ड्रोन–केंद्रित रणनीति का मुक़ाबला करने में सक्षम है। हालाँकि, आईएएफको भविष्य में, अधिक शक्तिशाली दुश्मनों के ख़िलाफ़ किसी भी सीमित संघर्ष की स्थिति में अपने प्लेटफ़ॉर्म, हथियारों और प्रणालियों का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने के लिए, तेज़ गति से लगातार सीखते रहने की आवश्यकता होगी।

भविष्य के युद्ध–क्षेत्रों में, लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों का सामना करने के लिए, ज़्यादा एकीकरण और तालमेल की ज़रूरत होगी। वर्तमान में चल रहे सुधारों और संरचनात्मक पहलों पर शायद फिर से विचार करना पड़े, ताकि एक ऐसा संगठनात्मक ढांचा तैयार किया जा सके जो ‘भारत–विशिष्ट’ हो और ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान सीखे गए अनुभवों पर आधारित हो। हालांकि, दुनिया भर में चल रहे संघर्षों से कई रणनीतिक और परिचालन संबंधी सबक मिलते हैं, लेकिन भारत को दूसरी जगहों से युद्ध–लड़ाई के मॉडल उठाने और उन्हें अपने रणनीतिक और परिचालन वातावरण पर लागू करने के प्रति सावधान रहना चाहिए। उदाहरण के लिए, हवाई परिचालन में मिसाइल और ड्रोन पर ज़्यादा ज़ोर देने के समर्थकों को अपने विचार पर फिर से सोचना चाहिए। भारत के पश्चिमी और उत्तरी मोर्चों पर जैसा हवाई माहौल है, जहाँ दोनों पक्ष एक–दूसरे को कड़ी टक्कर देते हैं, वहाँ सिर्फ़ ‘बहु–क्षेत्रीय परिचालन’ ही सफल होंगे।

भारत के सशस्त्र बलों ने एक जटिल युद्धक्षेत्र के माहौल में खुद को साबित किया है—भले ही सीमित पैमाने पर —जिसने उन्हें कई तरह के ऑपरेशन चलाने और सरकार द्वारा तय किए गए राष्ट्र के सर्वोत्तम हितों के अनुसार, सही समय पर पीछे हटने का अवसर दिया। भारत के रणनीतिक और राष्ट्रीय डीएनए में अलग–अलग पहलू शामिल हैं, जो 21वीं सदी में अब तक राजनीतिक सोच और रणनीतिक अभिव्यक्तियों के संयोजन के रूप में सामने आए हैं। ज़िम्मेदारी और संयम के साथ सक्रिय प्रतिरोध की नींव पर निर्मित ‘संपूर्ण राष्ट्र दृष्टिकोण’ की ओर एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिला है। ‘ऑपरेशन सिंदूर’ इसी धीरे–धीरे उभरते डीएनए की अभिव्यक्ति था।

(लेखक एक सैन्य इतिहासकार और रणनीतिक विश्लेषक हैं।)

शोर का प्रदूषण एक ‘साइलेंट’ संकट, यह लगातार प्रभावित कर रहा है

डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

साल 2012 में मुझे फ्रांस के प्रतिष्ठित पास्चर इंस्टीट्यूट में वैक्सीनोलॉजी का अध्ययन करने का अवसर मिला। वहां के कोर्स डायरेक्टर्स से मेरे अच्छे संबंध बन गए थे। कुछ वर्षों बाद जब वे भारत आए, तो मैंने उन्हें एक जाने–माने ‘फाइन डाइनिंग’ रेस्तरां में डिनर पर आमंत्रित किया। सब कुछ व्यवस्थित था–खाना, माहौल, सेवा– लेकिन एक चीज ने पूरे अनुभव को असहज बना दिया : शोर।

मेरे मेहमान बातचीत करने में असुविधा महसूस कर रहे थे। उसी दिन मुझे एहसास हुआ कि हम अपने आसपास शोर के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि उसकी समस्या पर गौर तक नहीं करते। आज भारत के शहरों में शोर केवल एक कोलाहल भरी पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि स्थायी वास्तविकता बन चुका है। सड़कों पर वाहनों के हॉर्न, अनवरत हो रहे निर्माण कार्यों की आवाज और सार्वजनिक स्थलों का अनियंत्रित ध्वनि स्तर– ये सब मिलकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं, जो धीरे–धीरे हमारे स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। भारतीय शहर दुनिया के सबसे शोरगुल वाले शहरों में गिने जाते हैं। दिल्ली में शोर का औसत स्तर लगभग 75 डेसिबल तक पहुंच चुका है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन दिन के समय 55 डेसिबल की सीमा को सुरक्षित मानता है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु जैसे महानगरों में भी स्थिति कुछ अलग नहीं है– अधिकांश क्षेत्रों में शोर का स्तर 65 से 75 डेसिबल के बीच रहता है और व्यस्त समय में यह 90 से 100 डेसिबल तक पहुंच जाता है।

चिंताजनक बात यह है कि हम मौसमी चुनौतियों– जैसे कि सर्दियों में वायु प्रदूषण, गर्मियों में जल संकट और हीट वेव, या ठंड के मौसम में कोल्ड वेव पर तो बात करते हैं– लेकिन ध्वनि प्रदूषण– जो साल भर रहता है– उस पर कम ध्यान दिया जाता है। जबकि लंबे समय तक 70 डेसिबल से अधिक शोर के सम्पर्क में रहने से हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

हर 10 डेसिबल की वृद्धि के साथ हृदय संबंधी जोखिम लगभग 8 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। बच्चों में सीखने की क्षमता प्रभावित होती है, गर्भवती महिलाओं में जटिलताएं बढ़ती हैं और बुजुर्गों में नींद की समस्या आम हो जाती है। भारत में 6 करोड़ से अधिक लोग सुनने की समस्या से जूझ रहे हैं और ध्वनि प्रदूषण इसका एक बड़ा कारण बनता जा रहा है।

शोर का प्रभाव केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, यह हमारी उत्पादकता, मानसिक संतुलन और सामाजिक व्यवहार को भी प्रभावित करता है। लगातार शोर में रहने वाला व्यक्ति अधिक चिड़चिड़ा, थका हुआ और ध्यान केंद्रित करने में कम सक्षम होता है। ऐसे में समाज की समग्र कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। वैसे हमारे पास नियमों की कमी नहीं है।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 के तहत ध्वनि प्रदूषण (नियमन एवं नियंत्रण) नियम बनाए गए थे। लेकिन समस्या नियमों की नहीं, उनके पालन की है। सड़कों पर अनावश्यक हॉर्न बजाना, देर रात तक डीजे या लाउडस्पीकर का उपयोग और निर्माण स्थलों पर समय–सीमा का उल्लंघन– ये सब आम हो चुके हैं। कानूनों का सख्त पालन सुनिश्चित करना होगा। जागरूकता बढ़ानी भी उतनी ही जरूरी है।

स्कूलों और कॉलेजों में संदेश देना होगा कि हॉर्न बजाना मजबूरी नहीं, आदत है– और इसे बदला जा सकता है। शहरी नियोजन में भी बदलाव जरूरी है। नॉइज़ बैरियर, ग्रीन कॉरिडोर और ईवी को बढ़ावा देना इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। जिस तरह हम वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) को नियमित देखते हैं, उसी तरह शोर के स्तर की रियल–टाइम मॉनिटरिंग भी शुरू की जानी चाहिए। क्योंकि शोर प्रदूषण एक ऐसा साइलेंट संकट है– जो धीरे–धीरे हमें प्रभावित करता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

ऑपरेशन सिंदूर दुनिया के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण

लेफ्टिनेंट जनरल देवेंद्र प्रताप पांडे

बदलते राजनैतिक–सैन्य लक्ष्यों के बीच युद्ध लड़ने के अमेरिका, इजराइल और रूस के प्रयोगों ने यह दर्शाया है कि 21वीं सदी के युद्ध और संघर्ष अक्सर लंबे एवं अस्पष्ट अभियानों में बदल रह गए हैं। इनके नतीजे संबंधित क्षेत्र के लिए विनाशकारी बन गए हैं और अखिरकार पहल करने वाले को ही इनका फायदा नहीं मिल पाया है। तालिबान, इराक, यूक्रेन, गाजा और अब ईरान का संघर्ष यह बतलाता है कि सैन्य कार्रवाई का उद्देश्य अनिश्चित काल तक दबाव बनाए रखना नहीं होता है। इसका उद्देश्य निर्णायक रणनीतिक नतीजे हासिल करना और फिर ज्यादा ताकतवर सैन्य शक्ति द्वारा तय की गई अनुकूल शर्तों पर पीछे हट जाना होता है।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रिया ने दुनिया की सैन्य शक्तियों, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका के सामने अपनाए जाने लायक एक ठोस विकल्प पेश किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने अनगिनत बार युद्धविराम का झूठा श्रेय लिया है। लेकिन वही राष्ट्रपति ईरान को सैन्य एवं आर्थिक रूप से तबाह कर देने के बावजूद युद्धविराम का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं। ऑपरेशन सिंदूर सुनियोजित बल प्रयोग का एक ऐसा उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें उद्देश्यों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया और उन उद्देश्यों को हासिल कर लेने के बाद अनुशासित संयम भी बरता गया। ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के स्थापित सुरक्षा प्रतिष्ठान द्वारा की गई उकसावे की एक क्रूर हरकत के बाद शुरू किया गया था। इस हरकत के तहत दिए गए निर्देशों अनुसार काम करने वाले आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर केवल पुरुषों की उनके परिवार के सदस्यों, पत्नियों, बच्चों और माता–पिता के सामने बेरहमी से हत्याएं कीं। इस घटना के बाद न तो भावावेश में आकर तनाव बढ़ाया गया और न ही अंधाधुंध प्रतिशोध लिया गया। बल्कि एक सुनियोजित तरीके से जवाब दिया गया। हर कदम सोच–समझकर, लेकिन तेजी से उठाया गया। ये कदम दंडात्मक और विध्वंसात्मक, दोनों ही थे। इन कदमों को अलग–अलग ठिकानों को तबाह करने के उद्देश्य से तैयार किया गया था। यह क्षमता और इरादे, दोनों का संकेत था। फिर भी, तनाव घटाने के लिए भी एक अलग से गुंजाइश रखी गई थी। यह किसी कमजोरी का नहीं, बल्कि नियंत्रण का सबूत था। यह भावना नहीं, बल्कि वह निष्ठुरता थी जो न्यायसंगत युद्ध के अधिकार (जस एड बेलम) और क्षमताओं में विश्वास एवं भरोसे की वजह से आती है। भारत की रणनीति की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता राजनैतिक–सैन्य उद्देश्यों को लेकर स्पष्टता थी। इसका लक्ष्य सीमा–पार आतंकवाद के लिए जिम्मेदार बुनियादी ढांचे एवं तत्वों पर तत्काल और ठोस प्रहार करना तथा प्रतिरोध को फिर से स्थापित करना था। यह सब परमाणु सुरक्षा कवच और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के दायरे में रहते हुए किया गया। अहम परिसंपत्तियों को तेजी से नष्ट करके और पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व को मनोवैज्ञानिक आघात पहुंचाकर इन लक्ष्यों को हासिल करने के बाद, भारत ने संघर्ष को रोक दिया। कुल 88 घंटों के भीतर, भारतीय सशस्त्र बलों ने इस मिशन के उद्देश्यों को पूरा करके राजनीतिक प्रतिष्ठान को सौंप दिया। राजनीतिक प्रतिष्ठान ने सशस्त्र बलों को साफ और सुस्पष्ट निर्देश दिए थे। पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान ने युद्धविराम की गुहार लगाई। उन्हें यह गलतफहमी थी कि वे कोई नतीजा भुगते बिना उकसावे की हरकत बेलगाम जारी रख सकते हैं। लेकिन उन्हें घुटने टेककर कदमों में गिरना पड़ा। उनके राजनेता लाइव मीडिया के सामने डरे हुए दिखाई दिए और सैन्य कमांडर छिप गए।

यह बेहद नाजुक क्षण था। इसने एक संरचनात्मक हकीकत को उजागर किया। भले ही पाकिस्तान की रणनीति लंबे समय से हजारों घावों से लथपथ करके भारत को धीरे–धीरे कमजोर करने की नीति पर केन्द्रित रही है, लेकिन उसमें सीधे उसकी सत्ता के मूल केन्द्रों को निशाना बनाने वाले संक्षिप्त, तेज और उच्च तीव्रता वाले हमलों का सामना करने की क्षमता नहीं है। भारत के प्रति उसकी निरंतर शत्रुता केवल वैचारिक ही नहीं, बल्कि संस्थागत भी है। पाकिस्तान की सेना का राज्य पर प्रभुत्व संघर्ष की इसी रणनीति पर टिका हुआ है।

भारत का रणनीतिक समुदाय यह अच्छी तरह समझता है कि पाकिस्तान से उसकी रणनीतिक दिशा में मौलिक बदलाव की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है, क्योंकि शत्रुता आकस्मिक नहीं बल्कि अस्तित्वगत है। इसलिए भारतीय प्रतिक्रिया ने पाकिस्तान के मसले को हल करने का प्रयास ही नहीं किया, बल्कि तत्काल दंड लगाकर और अंतहीन तनाव के चक्र में फंसे बिना प्रतिरोध को बहाल किया। यह अंतर महत्वपूर्ण है। चूंकि पाकिस्तान की सेना का राज्य पर प्रभुत्व अस्तित्वगत खतरे और धार्मिक पहचान पर आधारित संघर्ष के प्रतिमान के जरिए कायम है, इसलिए रणनीतिक परिपक्वता वैचारिक आधारों को बदलने में नहीं बल्कि विश्वसनीय, सीमित और दोहराए जाने योग्य कार्रवाइयों के जरिए उसके व्यवहार को आकार देने में थी। वैचारिक आधारों को बदलना अक्सर एक असंभव कार्य होता है। अमेरिकी योजनाकारों के लिए, यह कदम हालिया सैन्य अभियानों से बिल्कुल अलग स्थिति पेश करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने बार–बार अपनी जबरदस्त सैन्य श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया है, लेकिन सामरिक प्रभुत्व को स्पष्ट रणनीतिक नतीजों में बदलने के लिए उसे काफी जूझना पड़ा है। यदि अभियानों को नियंत्रित न किया जाए, तो उनका दायरा हमेशा बढ़ता जाता है और उद्देश्य अस्पष्ट हो जाते हैं। यही नहीं, वे अपने शुरुआती लक्ष्यों से कहीं दूर आगे जाकर फैल जाते हैं। इसके परिणामस्वरूप रणनीतिक थकान, संसाधनों की बर्बादी और कुछ मामलों में विश्वसनीयता में कमी आती है। ईरान के साथ चल रहे मौजूदा युद्ध में भी संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ ठीक यही हुआ है। इसमें कोई नई बात नहीं है। बल्कि यह इराक, अफगानिस्तान और अन्य युद्धों या संघर्षों की पुनरावृत्ति है जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका को उलझना पड़ा।

जरा ईरान के साथ चल रहे युद्ध में ऑपरेशन सिंदूर के नमूने के काल्पनिक इस्तेमाल पर विचार करें। आण्विक बुनियादी ढांचे, मिसाइल क्षमताओं और शासन के प्रमुख नेतृत्वकारी केन्द्रों को निशाना बनाने का लक्षित अभियान कुछ ही हफ्तों में पूरा हो चुका था और यही इसकी रणनीतिक सफलता भी थी। स्पष्ट रूप से सूचित और प्रभावी ढंग से अंजाम दिए गए निर्णायक हमले ने युद्ध को आगे बढ़ाने की ईरान की क्षमता को पहले ही कुंद कर दिया था। इसके बाद, इस मिशन की सफलता की घोषणा और अनिश्चितकालीन सैन्य उपस्थिति के बजाय राजनयिक और आर्थिक सहयोग की दिशा में आगे बढ़ने से राजनैतिक–सैन्य लक्ष्य हासिल हो जाते। यह विचार इस लेखक ने मार्च 2026 में भारतीय थिंक टैंक ‘क्लॉज’ में प्रकाशित अपने इश्यू ब्रीफ 496 में व्यक्त किया था। ईरान भी शुरुआत से ही उबरने का कोई रास्ता तलाश रहा था, लेकिन अमेरिकी लक्ष्य बदलकर पूर्ण विनाश या अधीनता की दिशा में चला गया। इस विकल्प को आजमाया गया। संपूर्ण राजनीतिक परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य वाले एक लंबे अभियान के परिणामस्वरूप द्वितीय और तृतीय स्तर के नतीजे सामने आए। आखिरकार यही नतीजे अब अमेरिकी हितों और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लंबे सैन्य अभियान असंतुलित जवाबी कार्रवाई को न्योता देते हैं, घरेलू समर्थन को कम करते हैं और ऐसे भू–राजनैतिक शून्य पैदा करते हैं जिन्हें संभालना मुश्किल होता है। ईरान ने इन सभी उपायों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। पराजित, बर्बाद एवं तबाह होने के बावजूद, वह सदृढ़ और विजयी बनकर उभरा है।

इसके उलट, स्पष्ट उद्देश्यों पर आधारित एक संक्षिप्त एवं कारगर उपाय वांछित नतीजे हासिल करने के साथ–साथ रणनीतिक लचीलापन भी बनाए रख सकता था। भारत का दृष्टिकोण युद्ध में तनाव को नियंत्रित रखने के महत्व को रेखांकित करता है, क्योंकि आधुनिक युद्ध केवल बल प्रयोग तक ही सीमित नहीं होते हैं। बल्कि इसमें शत्रु और अंतरराष्ट्रीय समुदाय, दोनों की धारणाओं को नियंत्रित करना भी शामिल होता है। अपनी प्रतिक्रिया को संतुलित रखकर, भारत ने कोई जल्दबाजी दिखाए बिना दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। इससे यही संकेत मिला है कि भारत निर्णायक कार्रवाई करने को जितना तैयार है, उतना ही वह अनियंत्रित संघर्षों को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रमुख खबरें

पद्मश्री फुलबासन को मिले जनप्रतिनिधियों जैसी सुरक्षा

भिलाई। पद्मश्री फुलबासन बाई के अपहरण के प्रयास के बाद भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव उनसे मिलने उनके निवासी पहुंचे। श्री यादव ने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए लंबे समय से काम करने वाली और देश–विदेश में पहचान रखने वाली समाजसेवी के साथ ऐसी घटना शासन और पुलिस प्रशासन के लिए शर्मनाक है। उन्होंने मांग की कि मामले की गहराई से जांच हो। इसके अलावा पद्मश्री फुलबासन को एक जनप्रतिनिधि की तरह सुरक्षा घेरा दिया जाए।

कृषि संकल्प अभियान : 72 गांवों में शिविर लगेंगे

भिलाई। दुर्ग जिले में खरीफ 2026 से पहले खेती की तैयारी मजबूत करने के लिए विकसित कृषि संकल्प अभियान शुरू किया गया है। किसानों को आधुनिक तकनीक, संतुलित उर्वरक और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। जिले के 72 गांवों में शिविर लगाकर खेती से जुड़ी समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान बताया जाएगा। अभियान के रथों को उपमुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद विजय बघेल और विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए मच्छरों के लार्वा नष्ट किए

भिलाई। भिलाई नगर निगम और जिला मलेरिया विभाग की संयुक्त टीम ने डेंगू व मलेरिया की रोकथाम के लिए जोन–3 मदर टेरेसा नगर के वार्ड–35, शारदा पारा स्थित कुष्ठ बस्ती और भैरव बस्ती में घर–घर अभियान चलाया। टीम ने कूलर, पानी की टंकियों, ड्रमों और पुराने कंटेनरों की जांच कर जहां लार्वा मिला, वहां जमा पानी तुरंत खाली कराया गया। लार्वा नियंत्रण के लिए एक्यूगार्ड और वयस्क मच्छरों पर नियंत्रण के लिए स्प्रेयर पंप से मैलाथियान का छिड़काव किया गया। पक्की व कच्ची नालियों में ठहरे पानी पर भी कीटनाशक डाले गए।

किडनी पेशेंट बेटे के इलाज के लिए बुजुर्ग मां ने मांगी मदद

दुर्ग। कलेक्टर जनदर्शन में जिलेभर से करीब 104 शिकायतें आई। भिलाई की एक बुजुर्ग महिला ने अपने बीमार पुत्र के इलाज और परिवार के भरण–पोषण के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। पुत्र की दोनों किडनियां खराब हो चुकी हैं। जिसके कारण वह काम करने में असमर्थ है। घर का खर्च और बच्चों की शिक्षा का प्रबंध करना कठिन हो गया है। कलेक्टर ने मामले पर संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

ऐसे लौटेगी हरियाली, होगा जल संरक्षण

सांसद बघेल ने दिया एक पेड़ मां के नाम के साथ एक पेड़ संतान के नाम का नारा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। लोकसभा सांसद विजय बघेल की अध्यक्षता में जिला पंचायत दुर्ग के सभाकक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई। बैठक में सांसद ने निर्देशित किया कि जिले में राज्य और केन्द्र शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो और योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाएं।

सांसद श्री बघेल ने क्षेत्र के समग्र विकास, पर्यावरण संरक्षण और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर अधिकारियों की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने अधिक से अधिक पौधारोपण करने पर जोर देते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' और 'एक सोखता संतान के नाम' अभियान के तहत व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए, ताकि पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ जल संवर्धन को भी बढ़ावा मिल सके।

सांसद ने कहा कि शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनने वाले मकानों में पौधारोपण को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही नगरीय निकायों में बिल्डिंग परमिशन देते समय रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को अनिवार्य रूप से प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने नगरीय निकायों के आयुक्तों को स्वयं क्षेत्र में जाकर कार्यों का निरीक्षण करने को कहा। साथ ही ग्राम पंचायतों में भी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए।

मनरेगा के तहत प्रत्येक गांव में काम शुरू करने तथा राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में जल आपूर्ति सुनिश्चित करने पर बल देते हुए अधिकारियों ने बताया कि निकुम, जेवरा–सिरसाखुर्द–भटगांव, चंदखुरी–कोलिहापुरी–पीसेगांव, अंजोरा–ढाबा, मोतीमपुर, ओदरागहन–सुरपा एवं कौही–रानीतराई समूह जलप्रदाय योजनाओं पर कार्य जारी है। सांसद ने लोगों को शुद्ध पेयजल जैसी समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए प्रमुखता से क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग करने को कहा।

सांसद बघेल ने कृषि कार्यों को ध्यान में रखते हुए समय पर खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बारिश से पहले पशुओं का टीकाकरण गांव–गांव में शिविर लगाकर प्राथमिकता से करने को कहा। इसके अलावा राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के तहत निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत जर्जर सड़कों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुधारने के निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को खराब सड़कों का निरीक्षण कर शीघ्र सुधार कार्य सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मनरेगा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास, सांसद आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान, स्वच्छ भारत मिशन–ग्रामीण 1.0 एवं 2.0, अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन 2.0, जल जीवन मिशन, पशुपालन, स्वास्थ्य विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, समग्र शिक्षा, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं उपलब्धियों की जानकारी दी।

सुशासन तिहार-26 : दुर्ग के चीचा जनसमस्या निवारण शिविर में 300 आवेदनों का निराकरण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। सुशासन तिहार–2026 के अंतर्गत दुर्ग जिले के ग्रामीण अंचलों में जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बुधवार को जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत ग्राम चीचा में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 578 आवेदन प्राप्त हुए। मौके पर विभागीय अधिकारियों द्वारा 300 आवेदनों का निराकरण किया गया। शेष लंबित आवेदनों के निराकरण के लिए समय–सीमा निर्धारित की गई है।

सुशासन शिविर में क्षेत्र की जनता ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर में क्षेत्र के 22 ग्राम पंचायत क्रमशः भांठाकोकड़ी, डोड़की, चीचा, अरसी, सुखरीकला, लिटिया, पुरदा, गाड़ाडीह, सेमरिया(लि), जोगीगुफा, हसदा, बिरेझर, खर्रा, टेमरी, फुण्डा, नवागांव (पु), पथरिया (डो), डोमा, पोटिया (से), सेवती, हिर्री और मड़ियापार के लोगों ने उत्साहपूर्वक अपनी भागीदारी निभायी।

शिविर में क्षेत्रीय विधायक ईश्वर साहू ने विभिन्न विभागीय स्टॉलों में अधिकारियों से रू–ब–रू चर्चा कर प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली। साथ ही प्राप्त आवदेनों का तत्परतापूर्वक निराकरण के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित निराकरण तथा सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन को परखना है, इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को गांव–गांव तक पहुंचाना है। श्री साहू ने अधिकारियों से कहा कि यदि जनता परेशान हुई तो अधिकारियों को भी परेशानियों को झेलने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने ग्राम पंचायत के पंचायत सचिवों को भी संबंधित पंचायतों में पन्द्रहवें वित्त राशि से बेहतर कार्य करने के सुझाव दिये।

शिविर में विभिन्न योजनाओं के बड़ी संख्या में हितग्राही लाभान्वित हुए। विधायक ने मनरेगा के 10 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, 5 हितग्राहियों को पीएम आवास चॉबी, 5 हितग्राहियों को स्वामित्व योजना प्रमाण पत्र, 4 हितग्राहियों को सामाजिक सहायता पेंशन स्वीकृति पत्र और 10 स्वच्छताग्राहियों को सम्मान पत्र प्रदान किया। साथ ही 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाली 3 छात्राओं को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इनोवेशन महाकुंभ में छत्तीसगढ़ चेम्बर के महामंत्री ने दिए टिप्स, बेस्ट इनोवेशन को पुरस्कृत भी किया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। इनोवेशन महाकुंभ 1.0 में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के महामंत्री अजय भसीन ने ज्यूरी मेम्बर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए उत्कृष्ट नवाचारों का मूल्यांकन किया एवं बेस्ट इनोवेशन को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रतिभागियों के अभिनव प्रयासों की सराहना करते हुए नवाचार को राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

श्री भसीन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग नवाचार और तकनीक का है, जिसमें युवा अपनी प्रतिभा के माध्यम से नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स युवाओं के नवाचार, स्टार्टअप एवं व्यवसायिक विकास में हर संभव सहयोग प्रदान करेगा।उन्होंने आश्वासन यह भी दिया कि आप कोई स्टार्टअप प्रारम्भ करते है और आपको फाइनेंस और मार्केट दिलाने मे चेम्बर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, वित्त मंत्री ओपी चौधरी सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उदबोधन में सभी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रदेश में नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि इनोवेशन महाकुंभ 1.0 ने युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त मंच प्रदान किया, जिससे प्रदेश में नवाचार और उद्यमिता को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

भिलाई चेम्बर से अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, शंकर सचदेव, राजेश शर्मा, विनय सिंह, सुनील मिश्रा, गौरव मोंगिया, निरंकार सिंह व प्रेम गहलोत सहित अनेक पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए।

आईटीआई में नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला 11 को

भिलाई। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईआईटी) की ओर से क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला 11 मई, सोमवार को आदर्श शासकीय आईटीआई में होगा। मेला सुबह 9.30 बजे शुरू होगा। अभ्यर्थियों को 10वीं व 12वीं की अंकसूची, आईटीआई उत्तीर्ण अंकसूची व प्रमाणपत्र, नवीनतम बायोडाटा, आधार कार्ड और अन्य आवश्यक मूल दस्तावेज साथ लाना होगा।

बीएसपी की पुष्पा ने ग्लोबल बिजनेस समिट में भाग लिया

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल–बीएसपी की स्टील मेल्टिंग शॉप–3 की महाप्रबंधक पुष्पा एम्ब्रोस ने मलेशिया के विन्धम क्लांग में आयोजित ग्लोबल बिजनेस समिट–2026 में संयंत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए विशिष्ट पैनल चर्चा में भाग लेकर अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई।

ग्लोबल सिनर्जी: बिजनेस विदाउट बाउंड्रीज विषय पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में वैश्विक उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि, नीति–निर्माता एवं विशेषज्ञों की सहभागिता रही।

अपने संबोधन में श्रीमती एम्ब्रोस ने कहा कि बदलते वैश्विक परिवेश में सुदृढ़ एवं सतत औद्योगिक तंत्र के निर्माण के लिए समन्वित प्रयास, ज्ञान साझाकरण एवं नवाचार आधारित रणनीतियाँ अत्यंत आवश्यक हैं।

इस अवसर पर मलेशिया के गणमान्य मंत्रीगण एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान वैश्विक औद्योगिक सहयोग, वर्ष 2026 एवं उससे आगे के आर्थिक परिदृश्य, वैश्विक गतिशीलता तथा अंतरराष्ट्रीय शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए।

चुटकियों में काम : आधुनिक मशीन से तेज हुई शहर की सफाई

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में अब नगर निगम द्वारा आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए सड़क सफाई कार्य में उल्लेखनीय तेजी लाई गई है। शहर क्षेत्र के अंतर्गत निगम प्रशासन द्वारा रोड स्वीपिंग (मशीन आधारित सफाई) कार्य को ट्रैफिक कम होने के पश्चात रात्रिकालीन समय में संचालित किया जा रहा है। इस पहल से न केवल सफाई कार्य में गति आई है, बल्कि दिन के समय यातायात भी प्रभावित नहीं हो रहा है। मशीन लगभग 15 किलोमीटर लंबी एवं 10 फीट चौड़ा क्षेत्रफल को मात्र 8 घंटे में साफ करने की क्षमता रखती है। मैन्युअली इसे करने में लगभग एक सप्ताह का समय लगता था।

जानकारी के मुताबिक मशीन के माध्यम से सफाई कार्य में न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। उन्होंने बताया कि निगम का लक्ष्य है कि शहर की सभी प्रमुख सड़कों को नियमित रूप से मशीन के माध्यम से साफ कर नागरिकों को स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

जनगणना में अपार्टमेन्स करें सहयोग : आयुक्त

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहर के विभिन्न एसोसिएशन और अपार्टमेंट्स से जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सटीक जानकारी से ही योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन संभव है, इसलिए सभी नागरिक जिम्मेदारी निभाते हुए सहयोग करें।

भारत की जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में 01 मई से 30 मई 2026 तक संचालित किया जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा घर–घर जाकर आवश्यक जानकारी एकत्रित की जाएगी।

पूर्व अनुभवों के आधार पर यह पाया गया है कि गेटेड कम्युनिटीज, हाई–राइज अपार्टमेंट्स एवं निजी कॉलोनियों में प्रगणकों को प्रवेश एवं डेटा संग्रहण में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। कई बार सुरक्षा प्रोटोकॉल एवं रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के साथ समन्वय की कमी के कारण कार्य प्रभावित होता है।

इस संदर्भ में सभी अपार्टमेंट/सोसायटी प्रबंधन एवं रहवासी परिवारों से अनुरोध है कि प्रगणक एवं पर्यवेक्षक को जनगणना कार्य हेतु सोसायटी परिसर में प्रवेश प्रदान करें।

जनगणना कर्मचारियों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार करें एवं आवश्यक जानकारी साझा करने में संकोच न करें। सोसायटी के सुरक्षा गार्डों को निर्देशित करें कि वे जनगणना टीम के कार्य में पूर्ण सहयोग सुनिश्चित करें तथा समुचित जानकारी प्रदान करें।

निगम प्रशासन द्वारा सोसायटी अध्यक्ष व सचिव से सहयोग प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों के कार्य को सुगम बनने की अपील की । अतः सभी रेसिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन एवं हाउसिंग सोसायटी से अपेक्षा की जाती है कि जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में सक्रिय एवं सकारात्मक सहभागिता निभाएं।

पाटणकर कन्या महाविद्यालय में इंटरनेट एडिक्शन पर जागरूकता

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हेल्थ वेलनेस एवं कांउसिलिंग सेल के तत्वाधान में एवं प्राचार्य के मार्गदर्शन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि इंटरनेट परस्पर जुड़े कम्प्यूटर नेटवर्कों की वैश्विक प्रणाली है जो नेटवर्क और उपकरणों के बीच संचार के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल सूट का उपयोग करती है।

प्रभारी डॉ रेषमा लाकेष ने कहा कि इंटरनेट संचार सूचना प्राप्ति, ई–कॉमर्स, शिक्षा और मनोरंजन का प्रमुख माध्यम है, जो दुनिया भर में 24/7 निर्वाध रूप से उपलब्ध है परंतु इंटरनेट एडिक्शन एक व्यवहार संबंधी विकार है जिसमें व्यक्ति ऑनलाईन गतिविधियों (सोशल मीडिया, गेमिंग) का उपभोग इस कदर बाध्यकारी रूप से करता है कि वह उनके दैनिक जीवन, काम और रिश्तों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगता है। यह मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है और व्यक्ति को आनलाईन दुनिया में डूबे रखता है। तबस्सुम अली ने इंटरनेट एडक्शन के लक्षण, प्रभाव और उपचार बताये। संचालन डॉ संध्या सिंह यादव ने किया।

खास-खबर

सुशासन तिहार बना आजीविका का सहाराः गंगाराम को मिला मत्स्य जाल और टैंक

रायपुर। सुशासन तिहार-2026 के तहत आयोजित समाधान शिविर अब न केवल समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीणों की आजीविका को भी नई दिशा दे रहे हैं। इसी तारतम्य में मुंगेली जिले विकासखण्ड लोरमी के ग्राम छपरवा में आयोजित समाधान शिविर में अचानकमार क्षेत्र के सुदूर वनांचल ग्राम दानवखार निवासी गंगाराम खुसरो को मत्स्य जाल एवं टैंक प्रदान किया गया। गंगाराम खुसरो लंबे समय से मछली पालन कार्य से जुड़े हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव में उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से जाल नहीं होने के कारण मछली पकड़ना कठिन था और संग्रहण के लिए उचित व्यवस्था भी नहीं थी। ग्राम छपरवा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में आवेदन मिलने पर प्रशासन द्वारा तत्परता दिखाते हुए उन्हें मत्स्य जाल और टैंक उपलब्ध कराया गया। अब इन संसाधनों के मिलने से मछली पकड़ना आसान हो गया है माध्यम से मछलियों को सुरक्षित रखने में भी सुविधा मिल रही है।

भीषण गर्मी के चलते दोपहर में पशु-चालित वाहनों पर लगा प्रतिबंध

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के आदेशानुसार जिले में भीषण गर्मी को देखते हुए 1 मई 2026 से 30 जून 2026 तक दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे के बीच पशु-चालित वाहनों के संचालन पर प्रतिबंध लगाया गया है। जिले में दोपहर 12:00 बजे से 3:00 बजे के बीच तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने के कारण भारवाही पशुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ने की संभावना है। इस दौरान पशुओं पर सामान लादकर या सवारी के रूप में उपयोग करने से वे लू एवं अधिक तापमान के कारण बीमार पड़ सकते हैं, और उनकी मृत्यु भी हो सकती है। इस हेतु परिवहन एवं कृषि पशुओं पर क्रूरता निवारण नियम 1965 के नियम 6 (3) के तहत जिला रायपुर की सीमा में गर्मी के दौरान पशुओं की सहायता से चलने वाले साधन- टांगे, बैलगाड़ी, भैंसा गाड़ी, ऊंट गाड़ी, खच्चर, टट्टू गाड़ी तथा गधों के माध्यम से वजन ढोने या सवारी कराने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।

अनुशासन और कड़ी मेहनत ही सफलता का मूलमंत्र

महाविद्यालय की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के दिए कड़े निर्देश, बाउंड्रीवाल का होगा तत्काल सीमांकन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शासकीय गजानंद अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटापारा में बुधवार को वार्षिक स्नेह सम्मेलन क्षितिज का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने जहाँ छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया, वहीं कॉलेज की सुरक्षा के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाते हुए परिसर की भूमि से तत्काल अतिक्रमण हटाने का सख्त आदेश दिया। राजस्व मंत्री के इस दौरे ने जहाँ कॉलेज के विकास और सुरक्षा को नई दिशा दी है, वहीं छात्रों के बीच जोश और प्रेरणा का संचार भी किया है।

स्नेह सम्मेलन के दौरान कॉलेज प्रशासन और विद्यार्थियों ने परिसर की सुरक्षा एवं अतिक्रमण संबंधी समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। इस पर राजस्व मंत्री ने त्वरित संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया। कॉलेज की बाउंड्रीवाल के पास हुए बेजा कब्जे को तत्काल हटाया जाए।

भविष्य में अतिक्रमण की गुंजाइश खत्म करने के लिए कॉलेज की पूरी भूमि का तत्काल सीमांकन किया जाए। छात्र-छात्राओं के लिए एक सुरक्षित और भयमुक्त शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना शासन की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम के दौरान क्षितिज के मंच पर छत्तीसगढ़ी संस्कृति की अनूठी छटा बिखरी। छात्र-छात्राओं ने लोक कला और संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का मन मोह लिया। मंत्री श्री वर्मा ने शैक्षणिक सत्र और खेलकूद प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इस गरिमामय अवसर पर पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मोहतरा में गोविंदा गोस्वामी के घर खुशियों की नई दस्तक

छत्तीसगढ़ सरकार की हर गरीब को पक्की छत देने की प्रतिबद्धता बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम मोहतरा में साकार होती दिखी। प्रदेश के राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत निर्मित पक्के मकान की चाबी हितग्राही गोविंदा गोस्वामी को सौंपी। नए घर की दहलीज पर जब मंत्री ने फीता काटकर गृह-प्रवेश कराया, तो लाभार्थी परिवार की आंखों में खुशी के आंसू और चेहरे पर संतोष की मुस्कान साफ नजर आई। हितग्राही गोविंदा (पिता कैलाश गोस्वामी) के लिए यह केवल एक मकान नहीं, बल्कि वर्षों के संघर्ष का अंत है।

वर्ष 2025-26 के तहत स्वीकृत इस आवास के लिए शासन द्वारा 1.20 लाख रुपये की सहायता प्रदान की गई। प्रशासन की तत्परता से निर्माण कार्य समय पर पूर्ण हुआ, जिससे यह परिवार अब बारिश और धूप की चिंता से मुक्त होकर एक सुरक्षित छत के नीचे आ गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना की चाबी सौंपने के दौरान राजस्व मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य

सरकार अंत्योदय के लक्ष्य पर काम कर रही है। प्रधानमंत्री आवास केवल ईंट और पत्थरों का ढांचा नहीं है, बल्कि यह गरीब के आत्म-सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश का कोई भी परिवार कच्चे मकान में रहने को विवश न रहे। आज गोविंदा को उनके घर की चाबी सौंपना मेरे लिए आत्मिक संतोष का विषय है। इस अवसर पर जनपद पंचायत के अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूरे गांव में उत्सव का माहौल रहा। घर के दीवार पर प्रधानमंत्री आवास योजना का लोगो और अपना नाम अंकित देख गोविंदा का परिवार भावुक हो उठा। उन्होंने कहा कि अब उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित है।

सुशासन के संकल्पों के साथ रामराज्य का सपना हो रहा साकारः विधायक कौशिक

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार-2026 के तहत आयोजित समाधान शिविर के माध्यम से शासन की योजनाएं अब सीधे आमजन तक पहुंच रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित शिविरों का मुख्य उद्देश्य आमजनों को शासकीय योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करने के साथ ही सुशासन को और सशक्त बनाना है। इसी तारतम्य में मुंगेली जिले के विकासखंड पथरिया के ग्राम गंगद्वारी में 25 ग्राम पंचायतों का क्लस्टर अनुसार आज समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 01 हजार 273 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनका नियमानुसार प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, इससे बड़ी संख्या में आमजनों को राहत मिल रही है।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजनों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवाई व परामर्श दिया गया। शिविर में बिल्हा

विधायक धरमलाल कौशिक, कलेक्टर कुन्दन कुमार, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय, जिला पंचायत सभापति अनिला देवेंद्र राजपूत, जनपद अध्यक्ष पथरिया चित्ररेखा जांगड़े, उपाध्यक्ष दीपिका कौशिक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण शामिल हुए। अतिथियों ने स्टॉलों का अवलोकन किया और आमजनों को योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के निर्देश दिए।

विधायक कौशिक ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को सीधे जनता तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है और जन समस्याओं का निरंतर समाधान किया जा रहा है। सुशासन के संकल्पों के साथ रामराज्य का सपना साकार हो रहा है।

उन्होंने बताया कि शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड जैसी सेवाएं भी मौके पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। विधायक ने आमजनों को शिविर का लाभ उठाते हुए पात्रतानुसार योजनाओं के लिए आवेदन प्रस्तुत करने प्रेरित किया। उन्होंने गंगद्वारी में शेड निर्माण हेतु 15 लाख रूपए, पंचायत भवन के लिए 15 लाख रूपए, कलार जेवरा से बेलखुरी सड़क निर्माण के लिए 15 लाख रूपए, पकरिया में पंचायत भवन के लिए 22 लाख रूपए की घोषणा की। उन्होंने बताया कि गंगद्वारी में महतारी सदन, रोहरा-घुठेली सड़क निर्माण तथा रोहरा-सिलतरा में नए विद्युत सब स्टेशन का भूमिपूजन सहित लगभग 20 करोड़ से अधिक के कार्य इस क्षेत्र के लिए स्वीकृत किया गया है। उन्होंने छिन्दभोग, कपुआ और मोहभट्ठा के लिए 01-01 नग हैण्डपम्प की स्वीकृति भी प्रदान की।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप शासन की योजनाओं को पारदर्शी ढंग से आम जनता तक पहुंचाने एवं पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिले में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में पात्र हितग्राहियों का चयन कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया।

जनसमस्या निवारण शिविर में तत्काल मिला राशन कार्ड, जताया मुख्यमंत्री के प्रति आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार 2026 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। इस पहल के जरिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ मौके पर निराकरण किया जा रहा है।

इसी क्रम में जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पंचायत सेमरिया में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में ग्राम मुलमुला निवासी श्रीमती अंजनी साहू को बड़ी राहत मिली। वे राशन कार्ड बनवाने की समस्या लेकर शिविर में पहुंची थीं। राशन कार्ड नहीं होने के कारण उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा था।

शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने उनकी समस्या को

गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दस्तावेजों की जांच की और त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही उनका राशन कार्ड बनाकर प्रदान कर दिया। तत्काल समाधान मिलने पर अंजनी साहू ने संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से अब लोगों की समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान हो रहा है, जिससे उन्हें काफी सुविधा मिल रही है। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और गुणवत्ता उत्पादन पर जोर

कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार की अध्यक्षता में सरगुजा संभाग की बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार की अध्यक्षता में सरगुजा जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में सरगुजा संभाग स्तरीय एपीसी समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में रबी वर्ष 2025-26 की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी खरीफ सीजन वर्ष 2026 के लिए कार्ययोजना तय की गई।

कृषि उत्पादन आयुक्त शहला निगार बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक पहुंचे और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरगुजा संभाग में कृषि विकास के व्यापक संभावना हैं, जिनका लाभ उठाते हुए दलहन, तिलहन, प्राकृतिक खेती और उद्यानिकी के माध्यम से फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने किसानों को पारंपरिक धान के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर प्रेरित करने और रकबा बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने जल संकट की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए जल संरक्षण उपायों को प्राथमिकता देने की बात कही। साथ ही पशुपालन, मत्स्य पालन और उद्यानिकी क्षेत्र में भी योजनाबद्ध प्रयास बढ़ाने के निर्देश दिए।

पशुपालन में चारा विकास और नस्ल सुधार को महत्वपूर्ण बताते हुए इस दिशा में ठोस कार्ययोजना बनाने पर बल दिया गया। बैठक में नाशपाती, लीची और कटहल जैसे स्थानीय फलों के उत्पादन को बढ़ावा देने और उनकी गुणवत्ता सुधार कर बाजार से जोड़ने की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

सभी जिलों को प्रमाणित बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। उर्वरक वितरण व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए आगामी खरीफ 2026 से लागू होने वाली नई ई-उर्वरक वितरण प्रणाली पर विस्तृत चर्चा हुई। इस प्रणाली के तहत एग्रीस्टेक में पंजीकृत रकबा और फसल के आधार पर उर्वरक वितरण किया जाएगा। सभी किसानों का एग्रीस्टेक में शीघ्र पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने उर्वरकों की कालाबाजारी और नकली खाद पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए उड़नदस्ता दल गठित करने, विक्रय केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने और जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने को कहा।

किसानों को उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी देने के लिए शिविर आयोजित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में पीएम किसान योजना के लाभार्थियों की फार्मर आईडी निर्माण की प्रगति, वंचित किसानों के पंजीयन, वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग, निर्यात योग्य धान किस्मों के विस्तार तथा विकसित कृषि संकल्प अभियान खरीफ 2026 के क्रियान्वयन पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सरगुजा संभागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सीएम के निर्देश पर त्वरित कार्रवाईः 3 दिन में भैंसामुड़ा के बच्चों को मिली क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशों पर त्वरित अमल करते हुए जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा में बच्चों को मात्र तीन दिनों के भीतर क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई गई। प्रशासन की इस त्वरित पहल से गांव के खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा गया।

उल्लेखनीय है कि 03 मई को सुशासन तिहार के दौरान मुख्यमंत्री साय अपने जशपुर प्रवास के समय भैंसामुड़ा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला चंदागढ़ के मैदान पहुंचे थे। यहां उन्होंने बच्चों को क्रिकेट खेलते देखा और उनके उत्साह से प्रभावित होकर स्वयं भी उनके साथ मैदान में उतरकर खेला। बच्चों से संवाद के दौरान उनके खेल के प्रति लगाव और नियमित अभ्यास को देखते हुए मुख्यमंत्री ने मौके पर ही आवश्यक खेल सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही ग्रामीण प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए गांव में मिनी स्टेडियम निर्माण की घोषणा भी की गई थी। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आज बच्चों को क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस वितरित की। खेल सामग्री मिलने से बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और उनमें नए उत्साह का संचार हुआ। स्थानीय खिलाड़ियों और ग्रामीणों ने इस पहल को बड़ी सौगात बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना है कि इस तरह के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और वे भविष्य में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे।

सुशासन की मिसालः आवेदन देने पहुंची महिला को मौके पर ही मिली डिजिटल किसान किताब

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के मार्गदर्शन में जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में चलाए जा रहे सुशासन तिहार का सकारात्मक असर अब धरातल पर दिखने लगा है। भाटापारा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में एक ऐसा ही मामला सामने आया, जहाँ सरकारी तंत्र की सक्रियता ने एक हितग्राही की चिंता को पल भर में मुस्कान में बदल दिया।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने सुशासन तिहार के शुभारंभ के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए थे कि आम जनता को तहसील और दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन खुद जनता के पास पहुँचे।

समस्याओं का अधिकारी त्वरित निराकरण करें, इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी विजन का लाभ ग्राम मुड़ीपार निवासी देवकी साहू को मिला।

शासन की मंशानुसार जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आयोजित ?सुशासन तिहार? आज एक हितग्राही के लिए सुखद आश्चर्य लेकर आया। भाटापारा में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में जब देवकी साहू अपनी माता की भूमि के फौती नामांतरण की गुहार लगाने पहुँची, तो उन्हें पता चला कि प्रशासन उनकी समस्या का समाधान पहले ही कर चुका है। समस्या लेकर पहुँची थीं शिविर में ग्राम मुड़ीपार निवासी श्रीमती देवकी साहू ने भाटापारा और हथनीपारा स्थित अपनी पैतृक भूमि के नामांतरण के लिए शिविर में आवेदन प्रस्तुत किया था। उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि उनके द्वारा दो माह पूर्व दिए गए आवेदन पर राजस्व विभाग पहले ही कार्रवाई पूर्ण कर चुका है।

प्रशासन की तत्परता आई सामने

एसडीएम भाटापारा ने मामले की जांच की तो सुखद तथ्य सामने आए। ?मुड़ीपार एवं भाटापारा इन दोनों ग्रामों का फौती नामांतरण रिकॉर्ड 21 और 23 अप्रैल 2026 को ही दुरुस्त किया जा चुका था। हथनीपारा ग्राम की संबंधित भूमि पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के कारण तकनीकी रूप से नामांतरण संभव नहीं था, जिसकी स्पष्ट जानकारी आवेदिका को दी गई।

मौके पर हुआ समाधान, खिले चेहरे

जब देवकी साहू को यह पता चला कि उनका काम पहले ही हो चुका है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एसडीएम ने बिना समय गंवाए मौके पर ही ?दोनों ग्रामों का बी-1 खसरा प्रदान किया गया।

आवेदिका को डिजिटल किसान किताब सौंपी

देवकी साहू ने कहा कि मुझे अंदाजा नहीं था कि सरकार इतनी तेजी से काम कर रही है। मैं तो आज आवेदन देने आई थी, लेकिन मुझे यहाँ बना-बनाया प्रमाण पत्र मिल गया। मैं प्रशासन की इस कार्यप्रणाली से बेहद संतुष्ट और खुश हूँ।

सुशासन का संदेश

यह प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाती है कि सुशासन तिहार केवल आवेदन जमा करने का माध्यम नहीं, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रतीक बन चुका है। जहाँ एक ओर रिकॉर्ड समय में नामांतरण की प्रक्रिया पूरी की गई, वहीं दूसरी ओर शिविर के माध्यम से हितग्राही को तत्काल दस्तावेज सौंपकर सुशासन की अवधारणा को धरातल पर उतारा गया।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

विजय के मुकाबले कितनी है तृषा की नेटवर्थ?

कमाई में टॉप बॉलीवुड अभिनेत्रियों को देती हैं टक्कर

तृषा कृष्णन ने अपने करियर को बहुत अच्छे से संभाला है। आज वह दक्षिण भारत की सबसे सफल और महंगी अभिनेत्रियों में से एक हैं। जानें कितनी है तृषा कृष्णन की कुल संपत्ति?

तेलुगु और तमिल फिल्मों की प्रमुख अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने दक्षिण भारतीय सिनेमा उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तृषा कृष्णन की कुल संपत्ति करोड़ों में है। अपनी करोड़ों रुपये की संपत्ति के साथ तृषा एक आलीशान जीवन जीती हैं।

चेन्नई में तृषा कृष्णन का आलिशान घर

तृषा कृष्णन के पास चेन्नई में एक शानदार घर है, जिसकी कीमत करीब 10-12 करोड़ रुपये है। हैदराबाद में भी उनकी एक संपत्ति है, जो 6-7 करोड़ रुपये की है। इसके अलावा उनके पास लग्जरी कारों का अच्छा कलेक्शन भी है।

तृषा की कारों का कलेक्शन

तृषा कृष्णन के पास कई महंगी और लग्जरी कारों का कलेक्शन है। इन कारों की कूल कीमत 3 से 4 करोड़ रुपये के आसपास है।

तृषा की कमाई

तृषा दक्षिण भारतीय सिनेमा (तमिल और तेलुगु) की बहुत लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। तृषा फिल्मों के अलावा ब्रांड डील्स और ऑनलाइन कामों से अच्छी कमाई करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, थलापति विजय की फिल्म 'लियो' में काम करने के लिए उन्हें 5 करोड़ रुपये मिले थे। 'पोन्नियिन सेल्वन' की सफलता के बाद उनकी फीस और बढ़ गई।

कुल कितनी है तृषा कृष्णन की नेटवर्थ?

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री तृषा कृष्णन की कुल संपत्ति करीब 85 करोड़ रुपये है। यह पैसा उन्हें फिल्मों और ब्रांड एंडोर्समेंट से मिलता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तृषा एक फिल्म के लिए 12 करोड़ रुपये तक फीस चार्ज करती हैं। वहीं ब्रांड प्रमोशन के लिए 9 करोड़ रुपये तक लेती हैं।

तृषा कृष्णन का करियर

तृषा ने साल 1999 में फिल्म 'जोड़ी' से अपना करियर शुरू किया। उन्हें असली पहचान 2004 में प्रभास के साथ फिल्म 'वर्षम' से मिली। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। जिनमें 'घिल्ली', 'सामी', 'आरू', ;अयुथा एझुथु', 'विन्नैथांडी वरुवाया', 'पोन्नियिन सेल्वन' जैसी फिल्में शामिल हैं।

विजय के साथ तृषा की जोड़ी

विजय और तृषा की जोड़ी कॉलीवुड में बहुत पसंद की जाती है। दोनों ने 'घिल्ली', 'तिरुपाची', 'आथी', 'कुरुवी', 'लियो' और 'GOAT' (विशेष भूमिका) जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। उनकी केमिस्ट्री स्क्रीन पर बहुत अच्छी लगती है।

क्या है विजय थलापति और तृषा कृष्णन का रिश्ता?

विजय थलापति और तृषा कृष्णन के बीच प्रेम संबंध की अफवाहें लंबे समय से सुर्खियों में हैं, जो मुख्य रूप से उनकी फिल्मों और हालिया सार्वजनिक मुलाकातों पर आधारित हैं। 2023 की फिल्म 'लियो' के बाद और विजय के कथित तलाक की खबरों के बीच उनकी नजदीकियां बढ़ीं। हालांकि, दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

थलापति विजय और तृषा कृष्णन का वर्कफ्रंट

थलापति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' है। इसका निर्देशन एच. विनोद ने किया है। यह फिल्म इस साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। यह एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म में विजय एक पुलिस वाले की भूमिका में हैं। वहीं तृषा कृष्णन साउथ अभिनेता सूर्या के साथ 'करुप्पु' में नजर आएंगी। यह फिल्म मई 2026 में रिलीज हो सकती है। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। इसके अलावा तृषा 'विश्वंभरा' में भी नजर आएंगी।

थलापति विजय की नेटवर्थ

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सुपरस्टार और राजनेता थलापति विजय की कुल संपत्ति लगभग 600 करोड़ रुपये से अधिक है। विजय एक फिल्म के लिए 100 से 250 करोड़ रुपये तक की फीस लेते हैं। विजय के पास चेन्नई के नीलंकराई में एक आलीशान सी-फेसिंग बंगला, जिसकी कीमत लगभग 70 से 80 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा विजय के पास कई लग्जरी कारों का कलेक्शन भी है।

45 साल की उम्र में एक्टिंग डेब्यू करने पर क्या बोलीं रिद्धिमा कपूर? दिया बड़ा बयान

कहा- 'शुरुआत में डर'

रिद्धिमा कपूर साहनी अपनी पहली फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग में डेब्यू कर रही हैं। अपने डेब्यू को लेकर रिद्धिमा ने खुलकर बातचीत की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

45 साल की रिद्धिमा कपूर साहनी, जो ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी हैं, अब अपनी पहली फिल्म 'दादी की शादी' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। खास बात यह है कि कपूर फैमिली में इतनी उम्र में डेब्यू करने वाली वह सबसे बड़ी सदस्य बन गई हैं। यह डेब्यू उनके लिए काफी इमोशनल है, क्योंकि इस फिल्म में वह पहली बार अपनी बेटी समारा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं।

कुछ नया शुरू करना सबसे बड़ा चैलेंज था

स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में रिद्धिमा ने बताया कि 45 साल की उम्र में पहली बार फिल्म के सेट पर कैमरे के सामने आना उनके लिए नया अनुभव था। उन्होंने अपनी बेटी समारा के छोटे से रोल के बारे में भी बात की। रिद्धिमा की शादी बिजनेसमैन भरत साहनी से हुई है और उनकी एक बेटी है।

रिद्धिमा ने कहा, 'यह एहसास बहुत अलग और इमोशनल है। ऐसा लगता है जैसे जिंदगी का एक चक्र पूरा हो गया हो। मुझे पता है कि मेरे पापा हमेशा मेरे साथ हैं और हर फैसले में मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं। यह सोच मुझे बहुत हिम्मत और सुकून देती है। सच कहूं तो इस उम्र में कुछ नया शुरू करना सबसे बड़ा चैलेंज था। एक नई शुरुआत में थोड़ा डर भी होता है, लेकिन उतनी ही एक्साइटमेंट भी होती है।'

जब शूटिंग के दौरान बेटी को घर छोड़ा था

रिद्धिमा ने यह भी बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्होंने पहली बार अपनी बेटी को घर पर अकेला छोड़ा था। साल 2019 में न्यूयॉर्क में ऋषि कपूर के कैंसर इलाज के बाद यह पहला मौका था जब उन्होंने ऐसा किया।

इस फिल्म में एक खास पल भी देखने को मिलेगा, जहां रिद्धिमा अपनी मां नीतू कपूर और बेटी समारा के साथ 'सेंटी' गाने में नजर आएंगी।

कब रिलीज होगी फिल्म 'दादी की शादी'?

'दादी की शादी' में नीतू कपूर और कपिल शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ सादिया खतीब और रिद्धिमा कपूर साहनी भी हैं। 'दादी की शादी' की कहानी एक ऐसे परिवार की है, जिसमें प्यार, हंसी-मजाक, कुछ नोक-झोंक और गहरे राज दिखाए गए हैं। इस फिल्म को आशीष आर. मोहन ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म 8 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

मानुषी छिल्लर के साथ हुई हिमेश रेशमिया की आंखें चार! दोनों करेंगे रोमांस; सिंगर ने किया नए गाने का एलान

सिंगर-कंपोजर हिमेश रेशमिया ने अपने नए गाने का एलान किया है। वे मानुषी छिल्लर के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। जानिए बाकी डिटेल्स हिमेश रेशमिया ने अपने फैंस को तोहफा दिया है। सिंगर-कंपोजर ने अपने नए गाने का एलान किया है, जिसका टाइटल 'शराब' है। इस गाने में वे मानुषी छिल्लर के साथ दिखाई देंगे।

सिंगर ने पोस्टर के साथ गाने का एलान किया है, जिसमें वे और मानुषी रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

कल रिलीज होगा टीजर

हिमेश रेशमिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया और अपने नए गाने को लेकर डिटेल दी हैं। उन्होंने पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे और मानुषी रोमांस करते दिख रहे हैं। मानुषी काफी बोल्ड अंदाज में नजर आ रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, 'जय माता दी, लेट्स रॉक। एक प्ले काफी नहीं होता'। उन्होंने बताया कि टीजर सामने आएगा।

हिमेश रेशमिया ने गाया है गाना

हिमेश रेशमिया की सिंगिंग के फैंस के बीच अलग ही क्रेज है। अब वे अपने नए गाने 'शराब' से फैंस को दीवाना बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसका म्यूजिक वीडियो पीयूष-शाजिया ने कोरियोग्राफ किया है। गाने को हिमेश ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसका म्यूजिक रजत नागपाल ने कंपोज किया है और इसके बोल राणा सोतल ने लिखे हैं।

पैन इंडिया म्यूजिक टूर को लेकर चर्चा में हिमेश

म्यूजिक प्रोड्यूसर अंशुल गर्ग के सपोर्ट से यह गाना जल्द ही रिलीज होगा। इस बीच, हिमेश रेशमिया पिछले कुछ महीनों से अपने पैन-इंडिया म्यूजिक टूर में व्यस्त रहे हैं और कई शहरों में परफॉर्म कर रहे हैं। 'तंदूरी नाइट्स' और 'हुक्का बार' जैसे लोगों के पसंदीदा गानों से लेकर 'लॉन्ग ड्राइव' और 'झलक दिखला जा' जैसे हिट गानों तक, उन्हें स्टेज पर अपने चार्टबस्टर्स गाते हुए देखा गया है। इससे कॉन्सर्ट में आने वालों के लिए एक जबर्दस्त और यादगार अनुभव बन गया है।

इन सब्जियों को भूल से भी कच्चा न खाएं, वरना होगी बड़ी दिक्कत

अगर आप नहीं चाहते कि आपकी तबीयत कभी खराब हो तो कुछ सब्जियों को कच्चा खाने से परहेज करें। यहां हम आपको इसके बारे में बताएंगे। हम अक्सर हेल्दी रहने के लिए सब्जियों का सेवन बढ़ाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ सब्जियों को कच्चा खाने से सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है? कच्ची सब्जियां अक्सर विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होती हैं, लेकिन कुछ में ऐसे रसायन या एंजाइम होते हैं, जो पाचन तंत्र को परेशान कर सकते हैं और पेट की समस्याओं का कारण बन सकते हैं। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और पाचन से जुड़ी समस्या वाले लोगों के लिए यह और भी जोखिम भरा हो सकता है। हम आपको बताएंगे कि किन सब्जियों को कच्चा खाने से बचना चाहिए और इन्हें सुरक्षित तरीके से कैसे खाया जा सकता है। सही जानकारी और सावधानी के साथ आप अपनी सेहत को बनाए रख सकते हैं और खाना खाते समय होने वाली परेशानी से बच सकते हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होती है और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन कच्ची ब्रोकली में गोइट्रोजन नामक पदार्थ होता है, जो थायरॉयड ग्रंथि पर असर डाल सकता है। इसलिए थायरॉयड की समस्या वाले लोगों को इसे हल्का पकाकर या स्टीम करके खाना चाहिए।

फूलगोभी

फूलगोभी में भी कच्चा खाने पर पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। इसमें गैस पैदा करने वाले पदार्थ होते हैं, जिससे पेट फूलना और ऐंठन हो सकती है। इसे उबालकर, भूनकर या हल्का स्टीम करना सुरक्षित रहता है।

पत्तागोभी

पत्तागोभी में कच्चा सेवन करने पर भी गैस और पेट में भारीपन की समस्या हो सकती है। इसमें फाइबर तो अधिक होता है, लेकिन कच्चा खाने से पेट पर दबाव बढ़ता है। हल्का उबालकर या स्टीम करके इसका सेवन करना लाभकारी होता है।

टमाटर

कुछ लोगों के लिए कच्चा टमाटर एसिडिटी और पेट दर्द का कारण बन सकता है। इसे हल्का पकाकर या सलाद में सीमित मात्रा में लेना फायदेमंद है।

बैंगन

कच्चा बैंगन हल्का जहरीला होता है। इसमें सोलानिन नामक रसायन मौजूद होता है, जो पेट में जलन, गैस और अपच जैसी समस्या पैदा कर सकता है। इसे हमेशा पकाकर ही खाना चाहिए।

पालक और सरसों का साग

पालक और सरसों के कच्चे पत्तों में ऑक्सलेट्स होते हैं। यह हड्डियों और किडनी के लिए हानिकारक हो सकते हैं। कच्चा सेवन करने से कैल्शियम अवशोषण कम होता है और किडनी स्टोन का खतरा बढ़ सकता है। हल्का पकाकर या स्टीम करके इन्हें खाने से ये सुरक्षित हो जाते हैं।

नोट: यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से एकत्रित जानकारियों के आधार पर तैयार किया गया है।

अस्वीकरण: श्रीकंचनपथ की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को श्रीकंचनपथ के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निर्देशों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। श्रीकंचनपथ लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

खास खबर

लायवलीहुड कॉलेज जोरा में 12 को रोजगार मेला, 400 से अधिक पदों पर भर्ती

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, रायपुर द्वारा दिनांक 12 मई 2026 (सोमवार) को लायवलीहुड कॉलेज, जोरा में प्रातः 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित संस्थाएँ **ESAF Swasraya Multistate Agro Cooperative Society Limited, JD Hardscapes Private Limited, El&er Communications Private Limited, Parishram Human Resource, ITM Edutech Training Pvt. Ltd.** आदि शामिल होंगी। इन कंपनियों द्वारा कक्षा 5वीं से 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई.टी.आई., इंजीनियरिंग एवं डिप्लोमा पास आवेदकों के लिए कुल 413 विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए आवेदकों को छत्तीसगढ़ रोजगार एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना आवश्यक है। इच्छुक एवं योग्य आवेदक अपने शैक्षणिक योग्यता के दस्तावेज, रोजगार पंजीयन, आधार कार्ड, बायोडाटा की छायाप्रति एवं पासपोर्ट साइज फोटो के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित हो सकते हैं। रिक्तियों की संख्या, पदवार योग्यता, वेतनमान एवं कार्यस्थल संबंधी विस्तृत जानकारी हेतु अभ्यर्थी जिला रोजगार कार्यालय, रायपुर में संपर्क कर सकते हैं अथवा विभागीय वेबसाइट **https//erojgar.cg.gov.in** पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

लोक अदालत 9 को, लम्बित मामलों का होगा निराकरण

रायपुर। भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आम जनता तक पहुचने तथा आपसी सहभागिता एवं सहमति से विवादों के समाधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समाधान समारोह विशेष लोक अदालत 2026 का आयोजन किया जा रहा है। 9 मई को नेशनल लोक अदालत आरंभ होकर 21, 22 एवं 23 अगस्त को विशेष लोक अदालत के माध्यम से लंबित मामलों का निराकरण सम्पन्न होगा। विशेष लोक अदालत का आयोजन सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22, 23 अगस्त को किया जाएगा। जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित मामलों को भी शामिल किया जाएगा। इस दौरान पूर्व सुलह बैठको का आयोजन राज्य, जिला, तालुका एवं उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के मध्यस्थता केन्द्र में किया जाएगा। वार्ता की प्रक्रिया 21 अप्रैल 2026 से ही प्रारभ हो चुकी है। इस समाधान शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित उपयुक्त मामलों का आपसी सहमति एवं सुलह के माध्यम से निष्पादन करना है। अधिवक्ता वादीगणों एवं संबंधित सभी पक्षों से अपील की गई है कि, सक्रिय रूप से भाग ले एवं आपसी सहमति से समाधान की दिशा में प्रयास करें। सुलाह बैठक में पक्षकार शारीरिक एवं अभासी माध्यम से भी सम्मिलित हो सकते है, इस बैठकों में प्रशिक्षित मध्यस्थता एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी सहयोग प्रदान करेगें। समाधान समारोह विशेष लोक अदालत में सम्मिलित करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के वेबसाईट पर गुगल फार्म भरना होगा।

साहू समाज ने भक्त माता कर्मा के त्याग, सेवा और समर्पण को किया आत्मसात : अरुण साव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू मुंगेली जिले के ग्राम पौनी में भक्त माता कर्मा जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने भक्त माता कर्मा के त्याग, सेवा और समाज के प्रति समर्पण को स्मरण कर नमन किया। विधायक पुन्नूलाल मोहले भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने कार्यक्रम में साहू समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भक्ति और समर्पण की प्रतीक भक्त माता कर्मा का जीवन हमें समाज सेवा की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण भारतीय संस्कृति में भक्ति का अद्भुत उदाहरण है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस पवित्र भूमि पर महान संत-महात्माओं ने जन्म लिया, जिनसे पूरे समाज को मार्गदर्शन मिला। ऐसे ही इस धरती में भक्त माता कर्मा का अवतरण हुआ। उन्होंने भक्ति के दम पर भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न कर उन्हें खिचड़ी खिलाई।

श्री साव ने कहा कि साहू समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। भामा शाह जैसे महान दानवीर पैदा हुए हैं, उन्होंने अपने राज्य की रक्षा के लिए अपनी सारी संपत्ति दान कर दी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और मेहनत साहू समाज की सबसे बड़ी ताकत है। सभी समाजों को साथ लेकर चलने की ताकत साहू समाज में है, इसे बरकरार रखना है।

श्री साव ने कहा कि समाज में शिक्षा का विस्तार हुआ है, सबसे बड़े समाज को सबसे अच्छा समाज बनाना होगा। बच्चों को संस्कारवान और विचारवान बनाना है। आजकल बच्चों में संस्कार की कमी हो रही है। इसके लिए प्रत्येक परिवार को चिंता करनी है। देश में साहू समाज को जाना जाए, ऐसा कार्य करके दिखाना है। केंद्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने अपने संबोधन में कार्यक्रम में मौजूद लोगों को माता कर्मा के बताए भक्ति मार्ग पर चलने की अपील की।

पूर्व सांसद लखनलाल साहू, मुंगेली जिला साहू समाज के अध्यक्ष पुहुप राम साहू, संरक्षक बलदाऊ साहू, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, जनपद अध्यक्ष रामकमल सिंह परिहार और दीनानाथ केशरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, साहू समाज के पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

नवा रायपुर में आईपीएल का रोमांच मैच 10 और 13 मई को

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आगामी 10 और 13 मई को होने वाले टाटा आईपीएल टी-20 मैचों के सफल आयोजन के लिए राज्य प्रशासन ने कमर कस ली है। मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय महानदी भवन में विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और आयोजन से जुड़ी तमाम व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव के इन कड़े निर्देशों के बाद अब नवा रायपुर का प्रशासन क्रिकेट के इस महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह मुस्तैद है, जिससे दर्शकों को एक सुरक्षित और आनंदमयी अनुभव मिल सके।

10 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस और 13 मई 2026 को रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु बनाम कोलकाता नाइट राइडर्स के मध्य मैच खेला जाएगा। मुख्य सचिव श्री विकासशील ने स्पष्ट किया कि स्टेडियम में आने वाले हजारों दर्शकों की सुरक्षा और सुगम यातायात प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऑनलाइन बुकिंग के बाद रायपुर पहुंचने वाली दर्शकों की भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कमिश्नर रायपुर को विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं। पार्किंग एरिया और स्टेडियम के चारों ओर **CCTV** कैमरों का सघन जाल बिछाया जाएगा। बैरिकेडिंग और पार्किंग की जिम्मेदारी पुलिस, **NRDA** और **BCCI** की संयुक्त टीम संभालेगी।

फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस के लिए डेडिकेटेड रूट **(Emergency Route)** चिन्हांकित किए जाएंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता पहुंचाई जा सके। आयोजन के सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर रायपुर की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इसमें पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), आयुक्त नगर निगम, संचालक (खेल एवं युवा कल्याण), क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी , और **NRDA** के **CEO** सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। यद्यपि संपूर्ण आयोजन का उत्तरदायित्व **BCCI** और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ का है, लेकिन प्रशासन पेयजल, बिजली, सड़क और स्वास्थ्य सेवाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को स्टेडियम में पानी के सुचारू प्रवाह और पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। बिजली विभाग को मैचों के दौरानछत्तीसग्ढ विद्युत वितरण कंपनी को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं।

बैठक में लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, **PHE** सचिव मोहम्मद कैसर अब्दुल हक, खेल सचिव यशवंत कुमार और कलेक्टर रायपुर गौरव सिंह सहित पुलिस विभाग, ऊर्जा, परिवहन, पर्यटन और **CSPDCL** के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही **BCCI** और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों ने भी अपनी तैयारियों का ब्यौरा साझा किया।

भक्ति की महायात्रा : रामलला के दर्शन को रायपुर से रवाना हुए 850 श्रद्धालु

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की धरा पर आस्था और सुशासन का एक अनुपम संगम देखने को मिला। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की महत्वाकांक्षी रामलला दर्शन योजना के तहत रायपुर संभाग के 850 श्रद्धालु एक विशेष ट्रेन से अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ के दर्शन हेतु रवाना हुए। रायपुर रेलवे स्टेशन पर विदाई का दृश्य ऐसा था, मानो पूरा शहर भक्ति के रस में डूब गया हो।

रामलला दर्शन योजना आज छत्तीसगढ़ में केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन-जन की आस्था का सेतु बन चुकी है। यह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और अपनी संस्कृति के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। श्रद्धालुओं की रवानगी को एक उत्सव का रूप दिया गया। स्टेशन परिसर में पारंपरिक लोकनृत्य की थाप और जय श्री राम के गगनभेदी उद्घोष के बीच यात्रियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया। यात्रियों के आत्मीय स्वागत ने इस धार्मिक यात्रा को सामाजिक एकता और गौरव का प्रतीक बना दिया। जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और श्रद्धालुओं को सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

अब तक की उपलब्धि राज्य सरकार के माध्यम से अब तक 46 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को प्रभु श्री राम के चरणों तक पहुंचा चुकी है। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा यात्रा के दौरान परिवहन, पौष्टिक भोजन, सुरक्षित आवास और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि बुजुर्गों और श्रद्धालुओं को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।

बस्तर संभाग में पेंशन प्रकरणों के त्वरित निराकरण के लिए शिक्षा विभाग की संवेदनशील पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर संभाग में शिक्षा विभाग के लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण एवं सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को समय पर पेंशन लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा गंभीर और संवेदनशील पहल की जा रही है। इसी क्रम में जगदलपुर स्थित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में संभाग के विभिन्न विकासखंड शिक्षा अधिकारी, संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य तथा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पेंशन शाखा प्रभारी उपस्थित रहे। इस दौरान लंबित पेंशन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए उनके त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

संयुक्त संचालक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षों से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने आगामी तीन माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन दस्तावेज समय-सीमा के भीतर तैयार कर कोष, लेखा एवं पेंशन कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। बैठक में ऋणात्मक शेष वाले विशेष प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

राज्यभर में जनसमस्या निवारण शिविरों से आमजन को त्वरित राहत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत राज्यभर में जनसमस्या निवारण शिविरों का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन-प्रशासन गांव-गांव तक पहुंचकर आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित कर रहा है। इन शिविरों के माध्यम से न केवल शिकायतों का समाधान हो रहा है, बल्कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है।

इसी कड़ी में बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के विकासखंड राजपुर के कोटडीह एवं कुसमी के चांदो में आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं और समाधान प्राप्त किया। चांदो शिविर में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज एवं सामरी विधायक उद्देश्वरी पैंकरा विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

शिविरों में स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विद्युत, राजस्व सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सेवाएं प्रदान की गईं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा पोषण, बिजली सेवाओं और राजस्व मामलों से संबंधित जानकारी भी दी गई।

इस दौरान हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, वय वंदन कार्ड एवं पोषण आहार का वितरण किया गया। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं शिशुओं का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष अभियान के तहत 22 से 27 अप्रैल तक प्राप्त 2264 आवेदनों में से 536 का निराकरण किया जा चुका है। वहीं, चांदो एवं कोटडीह शिविरों में प्राप्त आवेदनों का भी त्वरित समाधान किया जा रहा है। सुशासन तिहार के तहत 7 मई को रामचंद्रपुर विकासखंड के तांबेश्वर नगर एवं वाड्रफनगर के गुडरू में भी जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां नागरिक अपनी समस्याएं दर्ज कराकर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी बना जल संरक्षण का मॉडल जिला

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य शासन के मोर गांव मोर पानी महाअभियान अंतर्गत मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले ने जल संरक्षण एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी अभिसरण से जिले में जल संवर्धन, भू-जल स्तर सुधार और ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने की दिशा में व्यापक कार्य किए गए हैं।

जल संरक्षण हमारी जिम्मेदारी की थीम पर संचालित इस अभियान के तहत जिले में 1700 से अधिक आजीविका डबरी का निर्माण किया गया। प्रत्येक पंचायत में औसतन 9 डबरी विकसित कर जल संरक्षण को आजीविका संवर्धन से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया गया है। सामुदायिक सहभागिता और जिला प्रशासन के सतत प्रयासों से यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है।

वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को प्रेरित कर 2541 सोख्ता गड्ढे का निर्माण कराया गया। इसके अलावा श्रमदान एवं जनसहभागिता से 175 बोरी बंधान, 3600 कंटूर ट्रेंच तथा 87 तालाबों का नवीनीकरण कर जल संरक्षण संरचनाओं को मजबूत किया गया। अभियान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के लिए जिले में रैली, कलश यात्रा, शपथ एवं दीपदान जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

जलदूत ऐप से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार जिले में भू-जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। प्री मानसून 2024 की तुलना में प्री मानसून 2025 में जल स्तर में 1.81 मीटर तथा पोस्ट मानसून 2024 की तुलना में पोस्ट मानसून 2025 में 2.19 मीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। यह आंकड़े अभियान की प्रभावशीलता और जिले में किए गए जल संरक्षण कार्यों की सफलता को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं।

अभियान के सकारात्मक परिणामों के फलस्वरूप ग्रामीण विकास मंत्रालय की अधिसूचना दिनांक 23 सितम्बर 2025 के अनुसार जिले के तीनों विकासखंड, जो पूर्व में सेमी-क्रिटिकल श्रेणी में शामिल थे, अब सेफ ब्लॉक की श्रेणी में वर्गीकृत किए गए हैं। यह उपलब्धि मोहला-मानपुर- अम्बागढ़ चौकी जिले में सामूहिक प्रयास, जनसहभागिता और प्रभावी जल प्रबंधन की एक प्रेरणादायी मिसाल बनकर उभरी है।

1,269 करोड़ की लागत से बन रही बहुउद्देशीय परियोजना, 21 मेगावाट बिजली का होगा उत्पादन

परियोजना पूरी होने से किसानों को मिलेगी सिंचाई की बड़ी सुविधाः मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बस्तर जिले के विकासखंड लोहंडीगुड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत मटनार के आश्रित ग्राम मेदरी में निर्माणाधीन मटनार बैराज सह उद्वहन बहुउद्देशीय परियोजना का आज वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने निरीक्षण किया। यह परियोजना इंद्रावती नदी पर लगभग 1,269 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने परियोजना की प्रगति की जानकारी ली और को कार्य में गुणवत्ता एवं समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना बस्तर अंचल के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होगी।

परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के किसानों को व्यापक स्तर पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों की आय में सुधार आएगा। साथ ही इस परियोजना से 21 मेगावाट बिजली उत्पादन भी किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को भी बल मिलेगा। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में सतत प्रयासरत है और इस तरह की योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बैन्टेक्स एवं ग्रहलन उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

हेलमेट नहीं पहनना पड़ा भारी हादसे में घायल छात्र की मौत

जगदलपुर। मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। तीन दिन पहले नगरनार मार्ग पर हुए इस हादसे में छात्र के सिर पर गंभीर चोट आई थी। बुधवार सुबह करीब 4 बजे मेकाज में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। हादसा पिछले रविवार को हुआ, जब एमबीबीएस के कुछ छात्र बाइक से तिरिया घूमने गए थे। लौटते समय अचानक मौसम खराब हो गया और तेज आंधी चलने लगी। खराब विजिबिलिटी के कारण छात्र की बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। इससे छात्र के सिर में गंभीर चोट आई, जबकि पीछे बैठी छात्रा भी घायल हो गई। साथियों ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर दोनों को अस्पताल भेजा। छात्र की मौत की वजह सिर पर गहरी चोट और ज्यादा खून बहना है।

नाबालिग का अपहरण आरोपी एमपी से गिरफ्तार

राजनांदगांव। बसंतपुर थाना क्षेत्र में शादी का प्रलोभन देकर नाबालिग का अपहरण कर लिया गया। मामले की शिकायत दर्ज होने के बाद 24 घंटे भीतर पुलिस ने आरोपी को एमपी के देवास से दबोचा है। वहीं नाबालिग को भी बरामद कर लिया गया है। नाबालिग के परिजनों ने मामले की शिकायत दर्ज कराई। जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरु की। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी सुजीत अधिकारी (40) नाबालिग को बाइक से ले जाते दिखा। पुसिल ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपी की पतासाजी शुरु की। जिसमें उसका एमपी के देवास में होने की जानकारी मिली। टीम ने आरोपी सुजीत अधिकारी को गिरफ्तार किया, वहीं नाबालिग को बरामद किया गया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

नियम के विरुद्ध चलने वाले 119 भारी वाहनों पर हुई कार्यवाही

कोरबा। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कोरबा पुलिस ने सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत भारी वाहनों के खिलाफसख्त रुख अख्तियार किया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार, जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाकर 119 भारी वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही की गई है। लापरवाही पड़ी भारी पुलिस प्रशासन द्वारा पूर्व में ही ट्रांसपोर्टरों और वाहन स्वामियों की बैठक लेकर उन्हें नियमों की जानकारी दी गई थी। इस बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि रात्रि में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वाहनों के पीछे रेडियम पट्टी लगाना अनिवार्य है। हालांकि, निर्देशों की अनदेखी करने वाले संचालकों पर अब पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

पार्सल की 3 बोरियों में मिले 16 लाख, 10-20 रुपए की 1200 गड्डियां, ट्रैवल कंपनी के गोदाम से जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस ने पार्सल से 16 लाख रुपए कैश बरामद किया है। 3 बोरियों में 20 और 10 रुपए के 1200 नोटों के बंडल मिले हैं। अशोका मिलेनियम प्लाजा में हंस ट्रैवल्स के गोदाम में छापेमारी के दौरान कैश मिला है। पुलिस अब पैसे के सोर्स और असली मालिक की तलाश में जुटी है। घटना न्यू राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र की है।

पुलिस के मुताबिक, सूचना मिली थी कि हंस ट्रैवल्स के जरिए कोलकाता से दिल्ली भेजे जा रहे एक पार्सल में संदिग्ध सामग्री हो सकती है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) संदीप पटेल ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। इसके बाद थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम बनाकर गोदाम में दबिश दी गई।

रेड के दौरान पुलिस ने गोदाम की तलाशी ली। जहां 3 सफेद बोरियां बरामद हुईं, जिनमें भारी मात्रा में कैश भरी थी। जांच में 20 रुपए के 400

बंडल और 10 रुपए के 800 बंडल मिले। कुल जब्त राशि करीब 16 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने पैसे जब्त कर बीएनएसएस की धारा 106 के तहत मामला दर्ज किया है।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आयकर विभाग को भी सूचना दे दी है, जिससे आर्थिक एंगल से जांच हो सके। हंस ट्रैवल्स के कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है और पार्सल बुक कराने वाले व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश जारी है। जरूरत पड़ने पर बाकी एजेंसियों की भी मदद ली जाएगी।

डीआरआई इनपुट पर 5 घंटे चली जांच

पुलिस के अनुसार, ड्रग्स और कैश से जुड़े डीआरआई इनपुट के आधार पर कार्रवाई की गई। टीम ने करीब 5 घंटे तक पार्सलों की जांच की, जिसके बाद यह कैश बरामद हुई। हालांकि, डीआरआई इनपुट को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

चरित्र संदेह में पति ने पत्नी को खिलाई चूहामार दवा

तीन दिन बाद होश आने पर पत्नी ने दर्ज कराई रिपोर्ट, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के सीपत पुलिस ने पत्नी को चूहामार दवा खिलाकर हत्या का प्रयास करने वाले पति रामरतन सूर्यवंशी (65 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। यह घटना मचखंडा गांव की है।

पीड़ित महिला ने 4 मई को सीपत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि उसका पति रामरतन सूर्यवंशी उसके चरित्र पर संदेह करता था और अक्सर उसके

साथ मारपीट व झगड़ा करता था। रिपोर्ट के अनुसार, 8 अप्रैल की सुबह करीब 8 बजे रामरतन ने घर में चूहे होने की बात कहकर पत्नी से गांव की किराना दुकान से चूहामार दवा मंगवाई।

पत्नी को जबरदस्ती चूहामार दवा खिलाई

दवा लाने के बाद, रामरतन उसे कुमीहाखार से लकड़ी लाने के बहाने ले गया। वहां पहुंचकर उसने जबरदस्ती पत्नी को चूहामार दवा खिला दी, जिससे वह बेहोश हो गई।

होश आने पर महिला ने बेटे को पूरी घटना बताई

परिजनों ने उसे इलाज के लिए सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया। तीन दिन बाद होश आने पर महिला ने अपने बेटे को पूरी घटना बताई।

महिला की रिपोर्ट पर सीपत पुलिस ने पति रामरतन सूर्यवंशी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी ने आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीम बनाई और तलाश के बाद उसे पकड़ लिया।

पूछताछ में रामरतन ने पत्नी को चूहामार दवा खिलाने की बात स्वीकार की। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

मालगाड़ी के सामने लेटकर युवक ने कर ली आत्महत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। शहर में रेलवे ट्रैक पर आ रही मालगाड़ी के सामने लेटकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

रेलवे स्टेशन से बालको व डीएसपीएम प्लांट की ओर गुजरी रेलवे ट्रैक पर शारदा विहार फाटक के पास बुधवार की सुबह लोगों ने एक युवक का कटा हुआ शव देखा।

घटना की सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान मृतक की शिनाख्त समीपस्थ पानी टंकी बस्ती निवासी अजय निषाद (25) के रूप में हुई।

जानकारी मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे, जिन्होंने पुलिस को बताया कि मृतक लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था। पूर्व में उसने कई बार आत्महत्या का प्रयास किया था। ऐसे में परिजन ने अजय के आत्महत्या करने की आशंका ही जताई गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। वहीं आगे जांच-पड़ताल किया जा रहा है।

नहर में मिली युवक की लाश : राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस, मृतक की शिनाख्त में जुटे अफसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के आरंग थाना क्षेत्र के ग्राम तोता के पास बुधवार सुबह नहर में एक अज्ञात युवक की लाश मिली है। घटना सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने नहर में शव को तैरता हुआ देखा।

जिसके बाद तत्काल पुलिस को जानकारी दी गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

आरंग पुलिस के अनुसार, सुबह 10 बजे ग्रामीणों ने नहर में शव देखे जाने की सूचना दी थी। पुलिस ने शव को नहर से निकालकर पीएम के लिए भेजा है। मृतक की उम्र 35 वर्ष है।

हालांकि, उसके पास से किसी प्रकार का पहचान पत्र या ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। शव की स्थिति को देखते हुए अंदेशा जताया जा रहा है कि मौत कुछ समय पहले हुई है।

पुलिस ने मौके का मुआयना कर आसपास के क्षेत्र में पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी खंगाली जा रही है, ताकि मृतक की पहचान हो सके। शुरुआती जांच में मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, जिसके चलते पुलिस हत्या, आत्महत्या या दुर्घटना तीनों संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

पीएम रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा मौत का कारण

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। यदि रिपोर्ट में किसी प्रकार की चोट या संदिग्ध परिस्थिति सामने आती है, तो आगे की कार्रवाई उसी आधार पर की जाएगी। फिलहाल पुलिस अज्ञात शव की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

देशी कट्टा व दो लाख रुपए नगदी के साथ आरोपी हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। देशी कट्टा और दो लाख रुपए नगदी के साथ एक अधेड़ शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अविनाश आष्टिकर (53 वर्ष) एमडीडी 102 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कबीर नगर रायपुर का रहने वाला है। कुम्हारी पुलिस ने खारुन नदी रेलवे पूल के नीचे धरदबोचा है। आरोपी के कब्जे से एक नग देशी कट्टा एक नग जिंदा कारतूस दो लाख रुपए नगदी एवं मोबाइल फोन भी पुलिस द्वारा जप्त किया गया है।

5 मई को थाना कुम्हारी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति खारून नदी स्थित रेलवे ब्रिज के नीचे सफेद प्लास्टिक बोरी में अवैध देशी कट्टा एवं नगदी रकम रखकर बिक्री करने की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही थाना कुम्हारी पुलिस द्वारा तत्काल टीम गठित कर स्वतंत्र गवाहों के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई।

पुलिस टीम को देखकर संदेही व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अविनाश आष्टिकर

निवासी कबीर नगर रायपुर बताया। आरोपी के कब्जे की तलाशी लेने पर एक नग लोहे का देशी कट्टा, एक नग जिंदा कारतूस, दो लाख रुपए नगदी एवं नग नग वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद हुआ। आरोपी द्वारा उक्त हथियार एवं रकम के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर सामग्री को विधिवत जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना कुम्हारी में धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

गिफ्ट-हॉलिडे पैकेज के नाम पर 50 लाख ठगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मैग्नेटो मॉल से ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। क्लब्रियोंट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड नाम की कंपनी पर गिफ्ट ने नाम पर लोगों को ठगने का आरोप है। कंपनी ने 15 से 20 लोगों को अपने जाल में फंसाया और पैसे लेने के बाद रातों-रात स्टाफ ऑफिस बंद कर फरार हो गए।

पीड़ितों का कहना है कि ठगी की रकम 50 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपए तक हो सकती है। गिफ्ट और हॉलिडे पैकेज का लालच देकर ठगी की गई है। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कंपनी के संचालक समेत 16 कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

अमित गुप्ता ने पुलिस को बताया कि 20 फरवरी को उनके पास फोन आया, जिसमें कहा गया कि उनका नाम कूपन में निकला है और वे अपना गिफ्ट लेने के लिए मैग्नेटो मॉल की चौथी मंजिल स्थित ऑफिस नंबर 415 पहुंचे।

वहां पहुंचने पर उन्हें आकर्षक

हॉलिडे पैकेज का लालच दिया गया। इस दौरान उनसे पैसों की मांग की गई। अमित ने 27 फरवरी को 25 हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके बाद टिकट बुकिंग के नाम पर उनसे 50 हजार रुपए और वसूले गए।

पैसे लेने के बाद कंपनी के संचालक और कर्मचारी ऑफिस बंद कर फरार हो गए। ठगों ने लोगों से वादा किया था कि टिकट और हॉलिडे पैकेज की पूरी डिटेल ईमेल के जरिए भेज दी जाएगी, लेकिन पैसे लेने के बाद उनके फोन बंद आने लगे। शक होने पर अमित 24 अप्रैल को मैग्नेटो मॉल पहुंचे, जहां ऑफिस में ताला लगा मिला। वहां पहले से 15 से 20 लोग मौजूद थे, जो इसी तरह की ठगी का शिकार हो चुके थे। पुलिस की शुरुआती जांच में अब तक 8 लाख 12 हजार रुपए की ठगी का हिसाब सामने आया है। जांच में पता चला है कि पीड़ित सुशांत कुमार से 76 हजार रुपए, रोहित शर्मा से 1.28 लाख रुपए, डॉ. शरद कर्णेवार से 1.10 लाख रुपए और अमित गुप्ता से 75 हजार रुपए लिए गए। इसके अलावा अन्य लोगों से भी रकम वसूली गई है।

पीड़ितों की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने कंपनी के मुख्य संचालक नागेश बालासाहेब साखरे और उसके सहयोगी श्रीमंत राम खांडे समेत किरण मुनी, इमरान अंसारी, साहिल ठाकुर, अक्षय मीठे, कपिल, आसीफ मुस्कान गुप्ता, अनुराग, गुंजन, अजित ईश्वर जाटव, कुमुद, हितेश, पृथ्वी और अभिषेक के खिलाफ बीएनएस की धाराओं के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

50 लाख से 1 करोड़ तक पहुंच सकता है आंकड़ा

ठगी का आंकड़ा 50 लाख से 1 करोड़ रुपए तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। पीड़ितों का कहना है कि कंपनी के कर्मचारी रोज शहर और आसपास के लोगों को फोन कर गिफ्ट और हॉलिडे पैकेज का लालच देकर ऑफिस बुलाते थे। ऐसे में माना जा रहा है कि अभी केवल कुछ ही लोग शिकायत लेकर सामने आए हैं। अगर सभी पीड़ित सामने आते हैं, तो ठगी की रकम 50 लाख से 1 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। फिलहाल सिविल लाइन पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

3 बड़े शहरों में फैला था जाल

जांच में पता चला है कि इस कंपनी ने बिलासपुर के मैग्नेटो मॉल के अलावा रायपुर के मैग्नेटो मॉल और भिलाई के सूर्या मॉल में भी अपने ऑफिस खोल रखे थे। ये ठग शहर के रसूखदार और नौकरी पेशा लोगों को झांसे में लेकर क्रेडिट कार्ड और यूपीआई के जरिए मोटी रकम वसूलते थे।

लूट के 4 आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में किराना दुकानदार से लूट और मारपीट के मामले में पुलिस ने 24 घंटे के भीतर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पहले दुकान से सामान लेने पहुंचे थे, जब दुकानदार ने उनसे पैसे मांगे, तो विवाद शुरू हो गया। इसके बाद आरोपियों ने धारदार हथियार दिखाकर कैश काउंटर से 5100 रुपए लूट लिए और मारपीट कर फरार हो गए थे।

मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। हाउसिंग बोर्ड के रहने वाले मेजर यादव (58) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 4 मई की सुबह करीब 8 बजे चार युवक उनकी किराना दुकान पर पहुंचे। वहां उन्होंने चाय, पानी की बोतल, गुटखा और सिगरेट खरीदी। सामान लेने के बाद जब दुकानदार ने उनसे पैसे मांगे, तो आरोपी बहस और विवाद करने लगे।

देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। इसी दौरान आरोपी श्याम रेड्डी ने धारदार हथियार निकालकर दुकानदार को डराया-धमकाया। उसके साथ मौजूद अन्य तीन आरोपियों ने भी मिलकर दुकानदार से मारपीट की और दुकान के गल्ले

में रखे 5100 रुपए निकाल लिए। घटना के दौरान दुकानदार किसी तरह अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकला।

जांच के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली और चारों आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान धनराज निर्मलकर (21), विराज (18), श्याम रेड्डी (25) और प्रहलाद बंजारे (22) के रूप में हुई है। सभी आरोपी खुर्सीपार क्षेत्र के रहने वाले हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल किया गया धारदार हथियार और लूट से जुड़े अन्य साक्ष्य भी जब्त किए हैं। पूछताछ में सभी आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने चारों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त मैन्युअल जोनल निविदा सूचना क्रमांक-03

Email id : ee-res.durg@gov.in

ज्ञा.क्रं.1292/व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2026-27 — दुर्ग, दिनांक 05/05/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख में
1	जोनल निविदा ग्रुप क्र. 01:-ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग -दुर्ग अतंर्गत विभिन्न भवनों में विद्युतीकरण कार्य जिनकी लागत 10.00 लाख तक है। (वर्ष 2026-27)	20.00 लाख प्रति ग्रुप
2	जोनल निविदा ग्रुप क्र. 01:-ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग -पाटन अंतर्गत विभिन्न भवनों में विद्युतीकरण कार्य जिनकी लागत 10.00 लाख तक है। (वर्ष 2026-27)	20.00 लाख प्रति ग्रुप
3	जोनल निविदा ग्रुप क्र. 01:-ग्रामीण यांत्रिकी सेवा उपसंभाग -धमधा अंतर्गत विभिन्न भवनों में विद्युतीकरण कार्य जिनकी लागत 10.00 लाख तक है। (वर्ष 2026-27)	20.00 लाख प्रति ग्रुप

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://res.cg.gov.in में दिनांक 05.05.2026 से देखी जा सकती है एवं ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 19.05.2026 तक है।

जी-262700540/5

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
दुर्ग (छ.ग.)

अवैध रूप से शराब बेचने वालों को किया गिरफ्तार

कोरबा। अवैध रूप से शराब बिक्री के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कोरबी और मानिकपुर चौकी पुलिस ने 4 लोगों को पकड़कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। न्यायालय से जमानत के अभाव में सभी को जेल भेज दिया है। कोरबी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कोरबी के झोरकीपारा निवासी मोहरलाल प्रजापति (22) को ग्राम रोदे के हनुमान मंदिर के पास मेन रोड पर रोक कर तलाशी ली, जहां उसके पास से 100 पाव अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस के मुताबिक वह बाइक में 16 वर्षीय बालक को बैठाकर अवैध रूप से शराब परिवहन कर रहा था। इसी तरह चौकी के बागुडी कुलरिया गांव से सोन सिंह पावले (50) को पकड़ा। उसके पास से 48 पाव अंग्रेजी शराब मिली, जिसे उसने मकान के पीछे बाड़ी में छिपाकर रखा था।

पर्यटन संभावना

सीएम कैंप कार्यालय में सुलझी वर्षों पुरानी समस्या, लगा नया ट्रांसफार्मर

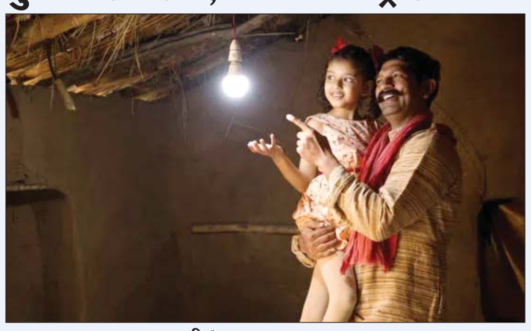

श्रीकंचनपथ समाचार

बगिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश और सीएम कैंप कार्यालय बगिया की सक्रिय पहल से जशपुर जिले के दाराखरिका में वर्षों से लंबित विद्युत समस्या का समाधान हो गया है। माध्यमिक शाला के पास लंबे समय से खंभे लगे होने के बावजूद ट्रांसफार्मर के अभाव में बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हो पा रही थी, जिससे ग्रामीणों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में लो वोल्टेज और अनियमित बिजली आपूर्ति की समस्या लंबे समय से बनी हुई थी। कई बार विभाग को अवगत कराने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। अंततः ग्रामीणों ने बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय पहुंचकर आवेदन के माध्यम से अपनी समस्या रखी। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय ने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद संबंधित विभाग ने दाराखरिका में ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति शुरू कर दी। इससे न केवल क्षेत्र में नियमित बिजली उपलब्ध हो सकी, बल्कि ग्रामीणों के दैनिक जीवन और बच्चों की पढ़ाई में भी सुविधा बढ़ी है। ट्रांसफार्मर लगने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

बेटियों की शिक्षा : राष्ट्रीय औसत से काफी आगे निकला छत्तीसगढ़

- उच्च माध्यमिक स्तर पर नामांकन में राष्ट्रीय औसत को पीछे छोड़ा
- योजनाओ से ड्रॉप आउट पर लगा लगाम, लहरा रही परचम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बेटियां अब न केवल स्कूल जा रही हैं, बल्कि उच्च शिक्षा की ओर भी तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। राज्य में सरस्वती साइकिल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से उच्च माध्यमिक स्तर पर छात्राओं के नामांकन में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ अब इस मामले में 73.6 प्रतिशत के आंकड़े के साथ राष्ट्रीय औसत (58.2 प्रतिशत) को काफी पीछे छोड़ चुका है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने लड़कियों की शिक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बनाया है। राज्य सरकार का मानना है कि इस सफलता के पीछे सबसे बड़ी भूमिका सरस्वती साइकिल योजना की है। शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए राज्य सरकार ने 1.5 लाख साइकिलों के वितरण का जो लक्ष्य रखा था, वह अब पूर्णता की ओर है।

कक्षा 9वीं में प्रवेश लेते ही मुफ्त साइकिल मिलने से माध्यमिक स्तर के बाद स्कूल छोड़ने वाली छात्राओं की संख्या में भारी कमी आई है। शिक्षा विभाग के अनुसार, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में स्कूल की दूरी बालिकाओं की शिक्षा में सबसे बड़ी रुकावट थी। साइकिल ने इस भौगोलिक बाधा को खत्म कर दिया है।

अब दूरदराज के गांवों की छात्राएं भी कई किलोमीटर दूर स्थित उच्च माध्यमिक स्कूलों तक आसानी से पहुंच रही हैं। साइकिल न केवल समय बचा रही है, बल्कि छात्राओं के स्कूल अटेंडेंस और आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय सुधार ला रही है।

बेटियों के सपनों को मिली गति

मुख्यमंत्री का संकल्प हमारी प्राथमिकता है कि छत्तीसगढ़ की बेटियां, विशेषकर आदिवासी अंचलों की छात्राएं, शिक्षा के क्षेत्र में देश के किसी भी अन्य राज्य से पीछे न रहें। सरस्वती साइकिल योजना केवल एक वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि बेटियों के सपनों को गति देने का माध्यम है।

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह योजना एक वरदान साबित हुई है। छत्तीसगढ़ की यह उपलब्धि दर्शाती है कि सही नीति और संवेदनशील नेतृत्व से सामाजिक बदलाव की नींव कितनी मजबूत रखी जा सकती है।

आंकड़ों की जुबानी एक दशक का सफर

छत्तीसगढ़ में उच्च माध्यमिक शिक्षा के प्रति बढ़ता रुझान इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है विवरण वर्ष 2010-11 वर्तमान स्थिति (2026) छात्राओं की सकल नामांकन 33.5 प्रतिशत से बढकर वर्ष 2021-22 68.1 प्रतिशत रहा। छत्तीसगढ़ अब इस मामले में 73.6 प्रतिशत के आंकड़े के साथ राष्ट्रीय औसत 58.2 प्रतिशत को काफी पीछे छोड़ चुका है। उल्लेखनीय है कि इस योजना की शुरुआत वर्ष 2004-05 में तत्कालीन सरकार द्वारा की गई थी। बीच के कुछ वर्षों में इस योजना के बंद होने के बावजूद दिसंबर 2023 में साय सरकार के आते ही इसे पुनः प्रभावी ढंग से लागू किया गया, जिससे स्कूली बालिकाओं के स्कूल में नियमित उपथिति में बृद्धि हुई।

बस्तर की बौद्धिक राजधानी बन गया अब कांकेरः वित्तमंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले को बस्तर की बौद्धिक राजधानी बताते हुए प्रदेश के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना एवं सांख्यिकी मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि शिक्षा ही जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि सफलता अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि निरंतर सीखने और आगे बढ़ने की प्रक्रिया है।

कांकेर के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग के 'कांकेर के गौरव' कार्यक्रम में प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं प्राचार्यों को सम्मानित करते हुए मंत्री श्री चौधरी ने अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए सोच भी बड़ी होनी चाहिए। संघर्ष, अभाव और दृढ़ इच्छाशक्ति ही वास्तविक सफलता की नींव होते हैं।

उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में इनोवेशन और मोटिवेशन बेहद जरूरी हैं। अपनी कमजोरियों को पहचानकर उन पर विजय पाएं। प्राचार्यों से उन्होंने विद्यार्थियों को आजीविकामूलक और सृजनात्मक गतिविधियों के लिए प्रेरित करने को कहा।

कार्यक्रम में सांसद भोजराज नाग और विधायक आशाराम नेताम ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया कि 'हमर लक्ष्य' अभियान के तहत जिले के विद्यार्थियों ने इस वर्ष उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है।

समारोह में माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप, स्मार्ट वॉच, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें कक्षा 12वीं की महेश्वरी, अपर्णा विश्वास, यश खोब्रागढ़े तथा कक्षा 10वीं की कुमारी ईशा दुर्गाशी शामिल हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कांकेर की 10वीं की छात्रा कृतिका टेकाम ने देशभर के 750 एकलव्य विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने 97 प्रतिशत अंक हासिल किए। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कक्षा 10वीं और 12वीं में शत-प्रतिशत परिणाम देने वाले 142 हाई स्कूल एवं 63 हायर सेकेंडरी स्कूलों के प्राचार्यों को भी सम्मानित किया गया।

साव ने की धमधा को नगरपालिका बनाने की घोषणा

- स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और सांसद विजय बघेल भी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

धमधा। लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में धमधा नगर पंचायत पहुंचे उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने धमधा नगर पंचायत के नगर पालिका में उन्नयन की घोषणा की। धमधावासी लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। नगर पालिका के रूप में उन्नयन के बाद शहर को विकास कार्यों के लिए और ज्यादा मिलेगी तथा विकास कार्यों में तेजी आएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अपने धमधा प्रवास के दौरान करीब 7 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इसमें 4 करोड़ 60 लाख रुपए के कार्यों का लोकार्पण और 2 करोड़ 39 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन शामिल है।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, दुर्ग के सांसद विजय बघेल, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, ईश्वर साहू और ललित चन्द्राकर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, धमधा नगर पंचायत की अध्यक्ष श्वेता अग्रवाल, उपाध्यक्ष ब्रिजेन्द्र दानी, जनपद पंचायत के अध्यक्ष लिमन साहू और पूर्व मंत्री जागेश्वर साहू सहित सुरेन्द्र कौशिक, जितेन्द्र वर्मा, प्रीतपाल बेलचंदन, पार्षदगण भी मौजूद थे।

नक्सलमुक्त बस्तर में बदलाव की आंधी

बस्तर संभाग में ढाई साल में खुली बैंकों की 31 शाखाएं विकास और विश्वास का प्रतीक : साय

- नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम, ग्रामीणों को मिलेगी सहज बैंकिंग सुविधा- वित्त मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। साय सरकार के गठन के बाद से बस्तर संभाग में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार को नई गति मिली है। इसी क्रम में बीजापुर जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम तर्रेम में बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी भी ऑनलाइन कार्यक्रम में शामिल हुए और शाखा का शुभारंभ किया। यह पिछले ढाई वर्षों में बस्तर संभाग में खुलने वाली 31वीं नई बैंक शाखा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग में बैंकिंग सुविधाओं के लगातार विस्तार को सुशासन और समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता से आदिवासी और ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलेगा, युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार एवं वित्तीय गतिविधियों से जुड़ने में आसानी होगी तथा शासकीय योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से लोगों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि बस्तर अब भय और अभाव की पहचान से निकलकर विश्वास, विकास और आत्मनिर्भरता की नई दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि दूरस्थ और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। तर्रेम में बैंक शाखा खुलने से स्थानीय लोगों को अब बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने क्षेत्र में ही सभी आवश्यक सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी।

उन्होंने कहा कि इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा और शासकीय योजनाओं का लाभ सीधे एवं पारदर्शी तरीके से हितग्राहियों तक पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बस्तर अब बदलाव की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है—जहां पहले बैंकिंग सुविधाओं का अभाव था, वहीं आज गांव-गांव तक बैंकिंग सेवाएं पहुंच रही हैं। यह नक्सल मुक्त बस्तर की दिशा में बढ़ते कदमों के साथ आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार तैयार कर रहा है।

इससे पूर्व भी वित्त मंत्री ने तत्कालीन धुर नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा-सुकमा जिले के सीमावर्ती जगरगुंडा क्षेत्र में भी बैंक की नई शाखा का उद्घाटन किया था। उस दौरान वे रायपुर से सड़क मार्ग से जगरगुंडा पहुंचे थे।

उन्होंने अपने दंतेवाड़ा में कलेक्टर कार्यकाल को याद करते हुए बताया कि उस समय यह क्षेत्र अत्यधिक नक्सल प्रभावित था और अधिकारी अंदरूनी क्षेत्रों में जाने से भी कतराते थे। उन्होंने कहा कि जिस इमारत में कभी ग्रामीण बैंक की शाखा थी और जिसे नक्सलियों ने निशाना बनाया था, उसी स्थान पर पुनः बैंक शाखा शुरू होना विकास और विश्वास का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आदिवासी भाइयों एवं बहनों के आर्थिक संबल के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार इस दिशा में काम कर रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीणों ने तर्रेम में बैंक शाखा खुलने पर खुशी जताई और इसे अपने लिए बड़ी सुविधा बताया। इस पहल से न केवल बैंकिंग सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। बस्तर में हो रहे ये सकारात्मक बदलाव आने वाले समय में समग्र विकास और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव साबित होंगे।

ढाई वर्षों में बस्तर संभाग में खुले 31 नई बैंक शाखाएं

पिछले ढाई वर्षों में बस्तर संभाग के विभिन्न जिलों के दूरस्थ इलाकों में बैंकिंग नेटवर्क का व्यापक विस्तार हुआ है। बस्तर जिले में आईसीआईसीआई बैंक की शाखा बादेककलूर में, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की शाखा जगदलपुर में, इंडसइंड बैंक की शाखा धरमपुरा (जगदलपुर) में तथा स्टेट बैंक ऑफइंडिया का होम लोन सेंटर जगदलपुर में खोला गया है। बीजापुर जिले में बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाएं बीजापुर और तर्रेम में, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की शाखा पामेड़ में, आईसीआईसीआई बैंक और आईडीबीआई बैंक की शाखाएं बीजापुर में तथा स्टेट बैंक ऑफइंडिया की शाखा मङ्डेड में खोली गई हैं। दंतेवाड़ा जिले में एचडीएफसी बैंक की शाखा चेरपाल में, आईसीआईसीआई बैंक की शाखा दंतेवाड़ा में, इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखाएं दंतेवाड़ा और समलवार में, कोटक महिंद्रा बैंक की शाखा परचेली में तथा स्टेट बैंक ऑफइंडिया की शाखा काटेकल्याण में खोली गई है। कांकेर जिले में एक्सिस बैंक की शाखाएं पनडोबिर और पाखांजूर में, बैंक ऑफइंडिया की शाखा चरामा में तथा आईसीआईसीआई बैंक की शाखा भानुप्रतापपुर में खोली गई है। कोंडागांव जिले में एक्सिस बैंक की शाखा फरसगांव में तथा बंधन बैंक की शाखा कोंडागांव में शुरू की गई हैं। नारायणपुर जिले में छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की शाखा सोनपुर में तथा एचडीएफसी बैंक की शाखा कोहकामेटा में खोली गई है। इसी प्रकार सुकमा जिले में एक्सिस बैंक की शाखा चिंतलनार में, बैंक ऑफबड़ौदा की शाखा सुकमा में, बैंक ऑफमहाराष्ट्र की शाखा सुकमा में, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की शाखा किस्टाराम में तथा इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखाएं सुकमा और जगरगुंडा में नई शाखाएं शुरू की गई हैं।

अबूझमाड़ के कुतुल पहुंचे वन मंत्री कश्यप लगाई जनचौपाल, सुनी लोगों की समस्याएं

- पेड़ों की छांव में सजी जन चौपाल-प्रशासन को सीधे जनता के द्वार

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। बस्तर के सुदूर वनांचल में विकास की नई किरण पहुंची है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप पहली बार नारायणपुर जिले के दुर्गम क्षेत्र कुतुल पहुंचे। सुशासन तिहार के अंतर्गत आयोजित इस जन चौपाल में मंत्री ने न केवल ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, बल्कि प्रशासन को सीधे जनता के द्वार पर खड़ा कर दिया।

ओरछा विकासखंड के कुतुल में पेड़ों की शीतल छांव में आयोजित इस चौपाल में भारी जनसैलाब उमड़ा। ग्रामीणों ने अपने बीच सीधे प्रदेश के मंत्री को पाकर अपनी मांगें प्रमुखता से रखीं। ग्रामीणों ने मोबाइल नेटवर्क, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता और युवाओं के लिए खेल मैदान की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री श्री कश्यप ने इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी आवेदन लंबित न रहे।

जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त आवेदनों पर प्रशासन की तत्परता देखने को मिली। कुल 201 आवेदनों में से 162 का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। शेष आवेदनों के लिए संबंधित विभागों को निश्चित समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करने को कहा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि कुतुल जैसे सुदूर गांव में शासन की योजनाओं की पहुंच उत्साहजनक है। महतारी वंदन योजना (114 हितग्राही), नोनी सुरक्षा (11) और प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना (14) से ग्रामीण लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 179 परिवारों के सिर पर पक्की छत का सपना साकार हो रहा है।

मंत्री श्री कश्यप ने चौपाल के दौरान सामाजिक सरोकारों से जुड़ते हुए गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की और बच्चों का अन्नप्राशन कराया। उन्होंने विशेष रूप से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और आंगनबाड़ी व स्कूलों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। कुतुल का यह दौरा प्रशासन और जनता के बीच की दूरी पाटने की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है। इस अवसर पर मंत्री ने हितग्राहियों को राशन कार्ड, सुपोषण किट और आवास प्रमाण पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन, एसपी श्री रॉबिंसन गुरिया और जिला पंचायत सीईओ सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950